राजधानी से प्रकाशित RNI NO. UPHIN/2010/33668

अंदाज़-ए-लखनऊ

सुल्तानपुर, हापुड़ एवं शाहजहांपुर में प्रसारित हिन्दी साप्ताहिक

वर्ष-11 अंक-17 लखनऊ, शनिवार 05 दिसम्बर, 2020 पृष्ठ : 8 मूल्य : एक रूपया

रोजगार व स्वरोजगार के विशेष अवसर सृजन किये जाने के उद्देश्य से शुरू होगा विशेष अभियान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश में रोजगार, स्वरोजगार, कौशल प्रशिक्षण तथा अप्रेन्टिसशिप के माध्यम से रोजगार व स्वरोजगार के विशेष अवसर सृजन किये जाने के उद्देश्य से दिनांक 05 दिसम्बर, 2020 से 'मिशन रोजगार' के नाम से एक विशेष अभियान चलाने के सम्बन्ध में विस्तृत दिशा-निर्देश अध्यक्ष राजस्व परिषद, कृषि उत्पादन आयुक्त, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त, समस्त अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव, समस्त विभागाध्यक्ष, मण्डलायुक्त एवं जिलाधिकारियों को निर्गत किये गये हैं। उक्त जानकारी देते हुये मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी ने बताया कि इस मिशन रोजगार के अन्तर्गत प्रदेश सरकार के विभिन्न विभागों, संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं, निगमों, परिषदों, बोर्डों तथा प्रदेश सरकार के विभिन्न स्थानीय निकायों जिनमें कि विभिन्न प्राधिकरण विशेषकर विकास प्राधिकरण तथा औद्योगिक विकास प्राधिकरण भी सम्मिलित है, के माध्यम से एक समन्वित रूप से प्रदेश में युवाओं हेतु रोजगार, स्वरोजगार के सृजन के साथ ही कौशल प्रशिक्षण तथा अप्रेन्टिसशिप के माध्यम से, भूमि आवंटन के माध्यम से, विभिन्न प्रकार के लाइसेन्स व अनुमतियों के माध्यम से अधिक से अधिक रोजगार, स्वरोजगार के अवसरों का सृजन किये जाने का अभियान चलाया जायेगा।

इस अभियान में दिये गये विभिन्न कार्यों के सम्बन्ध में सम्बन्धित विभागों द्वारा विस्तृत कार्य-योजना बनायी जायेगी तथा इस कार्य-योजना के सम्बन्ध में आंकड़े एकत्रित करते हुये वर्तमान वित्तीय वर्ष में प्रस्तावित नियुक्तियां, प्रशिक्षण, अनुमतियों, आवंटन इत्यादि के माध्यम से प्रदेश में रोजगार, स्वरोजगार, कौशल प्रशिक्षण तथा अप्रेन्टिसशिप के माध्यम से सृजित रोजगार, स्वरोजगार के सम्बन्ध में विस्तृत संख्या सहित कार्य-योजना को कार्यमूर्त देकर प्रदेश में इस वित्तीय वर्ष के समाप्ति तक 50 लाख युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार के लिये सक्षम बनाया जायेगा। इसके अतिरिक्त प्रत्येक विभाग, संगठन, प्राधिकरण आदि द्वारा यह सुनिश्चित किया जायेगा कि प्रत्येक कार्यालय में एक रोजगार हेल्प डेस्क बनाया जाये। उक्त हेल्प डेस्क पर उस विभाग में सम्बन्धित रोजगार, स्वरोजगार, कौशल प्रशिक्षण तथा अप्रेन्टिसशिप के माध्यम से रोजगार, स्वरोजगार के लिए सक्षम बनाने से सम्बन्धित कार्यक्रमों का समुचित विवरण उपलब्ध कराया जायेगा तथा एक रजिस्टर रखा जायेगा, जिसमें प्रत्येक ऐसे व्यक्ति जो कि राज्य सरकार के द्वारा अथवा केन्द्र सरकार द्वारा पोषित परन्तु राज्य सरकार द्वारा संचालित रोजगार, स्वरोजगार, कौशल प्रशिक्षण तथा अप्रेन्टिसशिप के माध्यम से रोजगार, स्वरोजगार हेतु सक्षम बनाने वाले कार्यक्रमों का लाभ उठाकर रोजगार, स्वरोजगार पाने का इच्छुक होगा, उसका विवरण रखा जायेगा तथा समय-समय पर विभिन्न योजनाओं में लाभार्थी चयन के समय उसको सूचित करके बुलाया जायेगा तथा पात्रता के आधार पर सम्बन्धित कार्यक्रमों में चयनित किया जायेगा। ऐसे विभाग जिनका रोजगार, स्वरोजगार, कौशल प्रशिक्षण तथा अप्रेन्टिसशिप की योजनाएं आनलाईन चलाई जा रही है, रोजगार हेल्प डेस्क के माध्यम से उन्हें ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन हेतु प्रेरित किया जायेगा तथा उनका डेटा बेस तैयार किया जायेगा।उन्होंने बताया कि मिशन रोजगार के सम्बन्ध में समस्त डेटा बेस रखने की जिम्मेदारी तथा इस सम्बन्ध में एक एप तथा पोर्टल विकसित किये जाने की जिम्मेदारी निदेशालय, प्रशिक्षण एवं रोजगार की होगी। इस हेतु आवश्यक बजट की व्यवस्था श्रम विभाग द्वारा करायी जायेगी। प्रशासकीय विभागों के अन्तर्गत समस्त निदेशालयध्निगम ध्बोर्ड आयोग इत्यादि अपने विभाग हेतु एक नोडल अधिकारी नामित करते हुए उसकी प्रविष्टि पोर्टल पर उपलब्ध स्थान पर उल्लिखित करेंगे। रोजगार से संबंधित डाटा की प्रविष्टि प्रत्येक पाक्षिक तिथि (प्रत्येक माह की 15 तारीख एवं माह के अन्तिम दिवस) पर अद्यतन कराने का दायित्व संबंधित विभागीय नोडल अधिकारी का होगा।

साथ ही उक्त नोडल अधिकारी द्वारा मिशन रोजगार अभियान के सम्बन्ध में विभागीय कार्ययोजना भी पोर्टल पर अपलोड की जायेगी। मिशन रोजगार के सम्पूर्ण कार्यक्रम अभियान का संचालन श्रम एवं सेवायोजन विभाग उत्तर प्रदेश के अन्तर्गत गठित उत्तर प्रदेश कामगार और श्रमिक (सेवायोजन एवं रोजगार) आयोग के अन्तर्गत किया जायेगा। मिशन रोजगार अभियान के संचालन का अनुश्रवण इस आयोग एवं आयोग के अन्तर्गत कार्यकारी परिषद, बोर्ड एवं जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित जिलास्तरीय समिति के माध्यम से किया जायेगा। विभिन्न विभागों द्वारा इस वित्तीय वर्ष के अन्त तक विभागीय योजनाओं में सृजित होने वाले रोजगार, स्वरोजगार, कौशल प्रशिक्षण तथा अप्रेन्टिसशिप के लक्ष्य, प्राप्ति की कार्ययोजना तैयार कर शासनादेश जारी किये जाने की तिथि के पन्द्रह दिवस के अन्दर सेवायोजन पोर्टलपर अपलोड की जायेगी तथा अगले वित्तीय वर्ष के लिए भी लक्ष्य, कार्ययोजना तैयार की जायेगी। विभिन्न विभागों द्वारा सेवायोजन पोर्टल पर उपलब्ध प्रारूपों पर अपनी सूचनाएं अद्यतन की जायेगी। आयोग के माध्यम से की जाने वाली समीक्षा बैठकों में इस बिन्दु पर विशेष ध्यान दिया जाना आवश्यक है। पोर्टल पर अंकित डाटा से सम्बन्धित सम्पूर्ण विवरण 'लाभार्थी का नाम, आयु, योग्यता, पता इत्यादि' की उपलब्धता विभाग के पास अद्यतन हो, जिससे विभागों में संचालित योजनाओं के माध्यम से रोजगार, स्वःरोजगार प्राप्त लाभार्थी की जानकारी आवश्यक होने पर सरकार को उपलब्ध हो सकेगी। कार्य योजना बनाते समय विभिन्न विभागों द्वारा प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप में रोजगार, स्वरोजगार, कौशल प्रशिक्षण तथा अप्रेन्टिसशिप के माध्यम से स्वरोजगार हेतु सक्षम बनाये जाने वाली सभी योजनाओं में सृजित होने वाले रोजगार के लक्ष्य तथा उनके समक्ष प्राप्ति तथा ऐसे विभिन्न कार्यक्रमों के लिए जागरूकता उत्पन्न किये जाने वाले कार्यक्रमों का पूर्ण विवरण दिया जायेगा।

उत्तर प्रदेश के 507 प्रवासी भारतीयों को यूपीएनआरआई कार्ड जारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के प्रवासी भारतीयों को आवश्यक सुविधाएं सुलभ कराने और निवेश को आकर्षित करने के लिए हालही में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लांच की गई वेबसाइट के माध्यम से त्वरित कार्यवाही शुरू कर दी गई है। इसके तहत यूपीएनआरआई कार्ड जारी किये जाने हेतु अब तक प्राप्त 568 प्रार्थना-पत्रों के सापेक्ष 507 कार्ड जारी किये जा चुके है। साथ ही वेबसाइट पर निवेश के संबंध में प्रवासी भारतीयों से प्रस्ताव भी प्राप्त हुए और उनकी आशंकाओं का समाधान भी सुनिश्चित किया गया है। यह जानकारी प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा एन0आर0आई0 मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने आज यहां दी। उन्होंने बताया कि प्रवासी भारतीयों के माध्यम से उत्तर प्रदेश में विदेशी निवेश को बढ़ाने के लिए एनआरआई की सुविधा हेतु नोडल अधिकारी नामित किया गया है, जिनके माध्यम से प्रवासी भारतीयों की जिज्ञासाओं का त्वरित समाधान की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। उन्होंने बताया कि ओमान में एनआरआई श्री शिशिर सिंह द्वारा फूड प्रोसेसिंग यूनिट लगाने के संबंध में इच्छा व्यक्त की गई, जिसके लिए उन्होंने प्रदेश सरकार की नीतियों एवं योजनाओं के संबंध में जानकारी एवं मागदर्शन देने की अपेक्षा की। इसी प्रकार साउथ अफ्रीका में एनआरआई श्री आशीष शर्मा ने गोरखपुर में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का विश्वविद्यालय स्थापित करने की इच्छा प्रकट की और इस संबंध में आवश्यक जानकारियां चाहीं। इनके अलावा कनाडा में एनआरआई श्री प्रशांत पाठक ने अपने मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट रेगराटा को चीन से उत्तर प्रदेश में शिफ्ट करने का प्रस्ताव दिया। जिसमें 750 करोड़ रुपये का निवेश होगा। इस बारे में उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार से उद्यम स्थापना संबंधी आवश्यक जानकारी दिये जाने का अनुरोध किया। नोडल अधिकारी द्वारा तत्काल इन सभी उद्यमियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया और आवश्यक जानकारियां भी उपलब्ध करा दी गई हैं।

आंदोलनकारी किसानों के समर्थन में उत्तर प्रदेश के छात्र-नौजवान सड़कों पर

लखनऊ। आल इंडिया स्टूडेंट्स फेडरेशन एवं अखिल भारतीय नौजवान सभा की उत्तर प्रदेश राज्य इकाइयों के आह्वान पर आज दिल्ली और देश भर में संघर्षरत, आंदोलनकारी किसानों के समर्थन में सैकड़ों की संख्या में छात्रों और नौजवानों ने आज सड़कों पर उतर कर किसानों के साथ एकजुटता का इजहार किया तथा किसानों, छात्रों और नौजवानों की ज्वलंत मांगों को स्थानीय प्रशासन के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति तक पहुंचाया। एआईएसएफ एवं एआईवाईएफके जाबांज कार्यकर्ताओं ने आज समूचे उत्तर प्रदेश के जिला अथवा तहसील मुख्यालयों पर जुझारू तेवरों के साथ धरने दिये, प्रदर्शन किये एवं कई जगह मगरूर, हठी, किसान, मजदूर, छात्र- नौजवान विरोधी और अंबानी अदानी जैसे कार्पोरेटों की दलाल सरकार के पुतले भी फूंके। ज्ञापनों के माध्यम से छात्र नौजवानों ने मांग की कि किसान विरोधी तीनों कानून वापस लिए जायें और इसके लिये संसद का विशेष सत्र बुलाया जाये। उन्होने नूनतम समर्थन मूल्य दिलाने की गारंटी करने वाला कानून बनाने की मांग की। बिजली अधिनियम 2020 वापस लिया जाने और श्रम कानूनों में किये गए मजदूर विरोधी बदलावों को रद्दी की टोकरी में डालने की मांग पर बल दिया। उन्होने मांग की कि गरीब विरोधी, जनविरोधी और धनवानपरस्त नई शिक्षा नीति 2020 तत्काल वापस ली जाये, भगतसिंह रोजगार गारंटी एक्ट बनाया जाये और सबको समान शिक्षा, रोजगार और मुफ्त स्वास्थ्य सेवायें उपलब्ध करायी जायें।

अपने 5 सूत्रीय माँगपत्र में छात्र युवाओं ने आंदोलनकारी किसानों, मजदूरों, छात्रों एवं नौजवानों के ऊपर हो रहे अत्याचारों को तत्काल रोके जाने की मांग की। चेतावनी दी कि सरकार शीघ्र नहीं सुधरी तो छात्र- नौजवान और भी बड़ी कार्यवाहियों के लिये बाध्य होंगे। एआईएसएफएवं एआईवाईएफके राज्य कार्यालयों को समाचार प्रेषित किये जाने तक कई दर्जन जनपदों से कार्यक्रमों के सफलतापूर्वक संपन्न होने की खबरें मिल चुकी हैं। उनमें से प्रमुख हैं,मथुरा, हाथरस, गाजियाबाद, शामली, बदायूं, बरेली, शाहजहाँपुर, कानपुर देहात, चित्रकूट, झांसी, ललितपुर, खागा (फ्तेहपुर), बाराबंकी, फैजाबाद-बीकापुर, मछलीशहर-जौनपुर, सुल्तानपुर, मऊ, बहराइच, कुशीनगर, निचलौल (महाराजगंज), प्रतापगढ़, गोंडा, बुलंदशहर, बांदा, मौदहा- हमीरपुर आदि। एआईएसएफएवं एआईवाईएफ के प्रांतीय पदाधिकारियों ने आज किसानों के समर्थन में सड़कों पर उतरने वाले छात्र- नौजवानों को क्रांतिकारी बधाई दी और अपेक्षा की कि वे अपनी जंगजू कार्यवाहियाँ लगातार जारी रखेंगे।

शामली में बदमाशों ने लूटा पैट्रोल पंप, कांग्रेस ने यूपी की कानून व्यवस्था पर उठाए सवाल

शामली यूपी के शामली में अपराधी लगातार पुलिस को चुनौती दे रहे हैं। बेखौफबदमाशों ने शनिवार रात मेरठ-करनाल हाईवे स्थित एक पैट्रोल पंप को तमंचों की नोंक पर लूट लिया। हथियारों से लैस 3 बदमाशों ने पैट्रोल पंप के चार सेल्समैन को एक कमरे में इक्ट्ठा कर जमकर लूटपाट की। लूटपाट का पूरा मंजर सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। यूपी कांग्रेस ने लूटपाट की वीडियो अपने ट्वीटर हैंडल पर वायरल कर यूपी की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। पैट्रोल पंप पर लूटपाट की यह वारदात शामली शहर कोतवाली क्षेत्र के मेरठ-करनाल हाईवे पर गांव सिंभालका के नजदीक की है। यहां पर दिल्ली निवासी अशोक कुमार का इंडियन ऑयल का फिलिंग स्टेशन है। बताया जा रहा है कि शनिवार की रात तीन बदमाश बाइक पर सवार होकर पैट्रोल पंप पर पहुंचे थे। इस दौरान पेट्रोल पंप पर सेल्समैन सचिन, सोनू, मोहित व सुभाष उर्फबिल्लू मौजूद थे। तभी मौके पर पहुंचे बदमाश चारों सेल्समैन को गनप्वाइंट पर लेकर पैट्रोल पंप पर बने केबिन में ले गए। बदमाशों ने हथियारों की नोंक पर मारपीट शुरू करते हुए चारों सेल्समैन के पास मौजूद कैश लूट लिया। बदमाशों ने पैट्रोल पंप पर कैश जमा करने वाले मुख्य स्थान को भी खोलने की कोशिश की, लेकिन वें कामयाब नही हो पाए। इसके बाद बदमाश हवा में दो फायर करते हुए बाइक लेकर भाग निकले। बदमाश जिस केबिन में सेल्समैन को इकट्ठा कर लूटपाट की वारदात को अंजाम दे रहे थे, वहां पर सीसीटीवी कैमरा भी लगा हुआ था। सीसीटीवी कैमरे की नजर से अंजान बदमाश बेखौफ होकर लूटपाट करते रहे। इस दौरान तमंचा लोड़ करते समय एक बदमाश ने चेहरे पर लगाया गया मास्क भी नीचे उतार लिया, जिससे बदमाश का चेहरा सीसीटीवी में नजर आ रहा है। वारदात की सूचना पर एसपी सुकीर्ति माधव, एएसपी राजेश कुमार श्रीवास्तव, सीओ सिटी और शहर कोतवाल मौके पर पहुंच गए थे। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज को खंगालते हुए वारदात के संबंध में चारों सेल्समैन से पूछताछ की। इस दौरान एसपी के निर्देश पर जिले की सभी चेकपोस्ट पर नाकाबंदी कर बदमाशों की तलाश की गई, लेकिन उनका कोई सुराग नही लगा। पुलिस सीसीटीवी में नजर आ रहे बदमाश के चेहरे को मुख्य लीड मानते हुए शीघ्र ही वारदात का खुलासा करने का दावा कर रही है। पैट्रोल पंप पर लूटपाट की वारदात का सीसीटीवी फुटेज यूपी कांग्रेस ने अपने ट्वीटर हैंडल पर भी वायरल किया है। वीडियो को वायरल करते हुए प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े किए गए हैं। ट्वीट में लिखा गया है कि योगी जी आप भले ही एफिल टॉवर पर यूपी में कानून व्यवस्था अच्छी होने की झूठी तस्वीरें लगवा दीजिए, लेकिन यूपी में बदमाश-अपराधी कानून व्यवस्था को रोज लतियाते हैं। देखिए शामली में खुलेआम कैसे बदमाश पैट्रोल पंप लूट रहे हैं।थाना कोतवाली क्षेत्र के अशोक पैट्रोल पंप पर तीन बदमाशों द्वारा घटना कारित की गई है। बदमाशों द्वारा तमंचे के बल पर सेल्समैन से पैसे छीने गए हैं। बदमाशों द्वारा कितने पैसे छीने गए हैं, यह अभी साफनही है, लेकिन बताया जा रहा है कि सेल्समैन की जेबों में जो पांच-सात हजार रूपए थे, वें इनके द्वारा छीने गए हैं। कैश जहां पर रखा जाता है, उसे बदमाश खोल नही पाए। पुलिस को एक महत्वपूर्ण लीड मिला है, जिससे जल्द ही बदमाशों की गिरफ्तारी की जाएगी।

राहुल गांधी बोले, भारत को सभी भेदभावों से मुक्त करना ही डॉ. आंबेडकर को सच्ची श्रद्धांजलि

नयी दिल्ली कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर की पुण्यतिथि के अवसर पर कहा कि दलित आदर्श को श्रद्धांजलि अर्पित करने का एकमात्र सच्चा रास्ता भारत को सभी प्रकार के भेदभावों से मुक्त करने की दिशा में काम करना है। भारत के संविधान के प्रमुख वास्तुकार एवं दलित आदर्श आंबेडकर का 6 दिसंबर, 1956 को निधन हुआ था। राहुल ने ट्वीट किया कि आज हम राष्ट्र निर्माण में डॉ. आंबेडकर के योगदान को याद कर रहे हैं। उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने का एकमात्र सच्चा रास्ता भारत को सभी प्रकार के भेदभावों से मुक्त करने की दिशा में काम करना है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सूचना प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने रविवार को बाबासाहेब डॉ.भीमराव अम्बेडकर को उनके महापरिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका योगदान यह देश कभी नहीं भूलेगा।

मोदी सरकार पर नाराज हुए शरद पवार, बोले, जल्दबाजी में लिए फैसले के कारण बिगड़े हालात

मुबंई केंद्र सरकार के नए कृषि कानूनों के खिलाफआंदोलन कर रहे किसानों को कई राजनीतिक दलों का समर्थन मिल रहा है। राकांपा प्रमुख शरद पवार ने किसान आंदोलन पर चिंता जताते हुए केंद्र सरकार को जल्द से जल्द समाधान निकालने की नसीहत दी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो हालात और बिगड़ सकते हैं। शरद पवार ने मीडिया से बातचीत में कहा कि पंजाब और हरियाणा के किसान गेहूं और धान के मुख्य उत्पादक हैं, और वह ही सड़कों पर उतर आए हैं। अगर जल्द ही स्थिति का हल नहीं किया गया, तो देश भर के किसान इस आंदोलन में शामिल हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि जल्दबाजी में लिए गए फैसले के कारण देश में ये हालात पैदा हुए हैं।

राकांपा प्रमुख ने कहा कि जब बिल पारित किया जा रहा था, हमने सरकार से अनुरोध किया कि वे जल्दबाजी में न हों, इसे सेलेक्ट कमेटी को भेजा जाना चाहिए और चर्चा की आवश्यकता है, लेकिन ऐसा नहीं हुआ और विधेयक जल्दबाजी में पारित किया गया। अब सरकार को जल्दबाजी के कारण समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

वहीं किसान संघों द्वारा आठ दिसंबर को आहूत 'भारत बंद के प्रति कांग्रेस ने रविवार को पूरा समर्थन जताया और घोषणा की कि इस दिन वह किसानों की मांगों के समर्थन में सभी जिला एवं राज्य मुख्यालयों में प्रदर्शन करेगी। पार्टी ने कहा कि पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ट्रैक्टर रैलियों, हस्ताक्षर अभियानों और किसान रैलियों के जरिए किसानों के पक्ष में पार्टी की आवाज बुलंद कर रहे हैं। हमारे सभी जिला मुख्यालय एवं प्रदेश मुख्यालयों के कार्यकर्ता इस बंद में हिस्सा लेंगे। वे प्रदर्शन करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि बंद सफल रहे।

24 घंटों में 36011 नए मामले, भारत में कोरोना संक्रमितों की संख्या 96.44 लाख पार

नयी दिल्ली देश में कोरोना से अब तक 96.44 लाख लोग संक्रमित हो चुके हैं। वहीं 91 लाख से ज्यादा लोगों के स्वस्थ हो जाने के बाद संक्रमणमुक्त होने की राष्ट्रीय दर बढ़कर 94.37 प्रतिशत हो गई है। देश में उपचाराधीन लोगों की संख्या करीब चार लाख रह गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में संक्रमण के 36,011 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमित लोगों की कुल संख्या बढ़कर 96,44,222 हो गई है, जिनमें से 482 और लोगों की मौत होने के बाद संक्रमण के कारण मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 1.40 लाख के पार हो गई है। देश में संक्रमित होने के बाद ठीक हुए लोगों की संख्या बढ़कर 91,00,792 हो गई है, जिसके बाद लोगों के स्वस्थ होने की दर बढ़कर 94.37 प्रतिशत हो गई है, जबकि कोविड-19 के कारण मरने वालों की दर 1.45 प्रतिशत बनी हुई है। आंकड़ों के अनुसार देश में कोरोना वायरस से संक्रमित 4,03,248 लोगों का इलाज चल रहा है जो संक्रमण के कुल मामलों का 4.18 प्रतिशत है। भारत में सात अगस्त को संक्रमित लोगों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितंबर को 40 लाख के पार चली गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर को 50 लाख, 28 सितंबर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 29 अक्टूबर को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के अनुसार, पांच दिसंबर तक 14,69,86,575 नमूनों की जांच की जा चुकी है, जिनमें से शनिवार को 11,01,063 नमूनों की जांच की गई।

कृषि कानूनों के खिलाफकिसान आंदोलन को बैंक यूनियनों का समर्थन

नई दिल्ली कई बैंक यूनियनों ने नए कृषि कानूनों के खिलाफआंदोलन कर रहे किसानों का समर्थन किया है। यूनियनों ने सरकार ने इस मुद्दे को जल्द से जल्द सुलझाने का आग्रह किया है। ऑल इंडिया बैंक एम्पलाइज एसोसिएशन (एआईबीईए) ने बयान में कहा कि सरकार को आगे आकर देश और किसानों के हित में उनकी मांगों का समाधान करना चाहिए। अधिकारियों की यूनियनों ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स कनफेडरेशन (एआईबीओसी), ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन (एआईबीओए) तथा इंडियन नेशनल बैंक ऑफिसर्स कांग्रेस (आईएनबीओसी) ने सरकार से आग्रह किया है कि वह इन विधेयकों को राष्ट्रपति के विशेष आदेश के जरिये प्रवर समिति को भेजकर गतिरोध दूर करे।

किसान संगठनों का कहना है कि तीनों नए कृषि कानून कृषि उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सुविधा) कानून, 2020, आवश्यक वस्तु (संशोधन) कानून, 2020 और मूल्य आश्वासन और कृषि सेवाओं पर कृषक (संरक्षण एवं सशक्तीकरण) कानून-2020 से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) व्यवस्था समाप्त हो जाएगी और वे बड़ी कंपनियों की 'दयाश् पर निर्भर हो जाएंगे। इन कानूनों को सितंबर में लागू किया गया है। अधिकारियों की तीनों यूनियनों ने संयुक्त बयान में कहा, ''हमारे देश को शांति चाहिए और किसानों की दिक्कतों को दूर किया जाना चाहिए। कोविड-19 महामारी के दौरान सिर्फकृषि ही ऐसा क्षेत्र था, जिसका प्रदर्शन सकारात्मक रहा। यह इस क्षेत्र की बुनियादी ताकत को दर्शाता है।

दिल्ली की हवा आज भी बेहद खराब, 2 दिन तक सुधार होने की उम्मीद

नयी दिल्ली दिल्ली की वायु गुणवत्ता रविवार को ''अत्यंत खराब श्रेणी में दर्ज की गई, लेकिन इसमें वायु की गति बढ़ने के पूर्वानुमान के कारण आगामी दो दिन में सुधार होने की उम्मीद है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अधिकारियों ने बताया कि हवा की गति धीमी होने की वजह से स्थानीय जनित प्रदूषक तत्वों का जमाव होने के कारण वायु गुणवत्ता शनिवार को गंभीर हो गई थी। शहर का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) सुबह नौ बजे 394 रहा, जबकि शनिवार को औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 404 दर्ज किया गया। एक्यूआई शुक्रवार को 382, बृहस्पतिवार को 341, बुधवार को 373, मंगलवार को 367, सोमवार को 318 और रविवार को 268 था।पड़ोसी शहरों गाजियाबाद में वायु गुणवत्ता सूचकांक 430, ग्रेटर नोएडा में 404 और नोएडा में 404 दर्ज किया गया जो कि 'गंभीर श्रेणी में आता है। एक्यूआई शून्य से 50 के बीच 'अच्छा, 51 और 100 के बीच 'संतोषजनकश, 101 और 200 के बीच 'सामान्यश् 201 और 300 के बीच 'खराब, 301 और 400 के बीच 'अत्यंत खराब और 401 से 500 के बीच 'गंभीर श्रेणी में माना जाता है। आईएमडी के पर्यावरण अनुसंधान केंद्र के प्रमुख वी के सोनी ने बताया कि हवा की गति धीमी बनी हुई है, जो स्थानीय जनित प्रदूषक तत्वों के जमने में मददगार है। उन्होंने कहा कि पूर्व दिशा से आ रही हवाओं में नमी है जिससे प्रदूषक तत्वों का दूसरा स्तर भी बन रहा है। इन सभी कारकों की वजह से वायु गुणवत्ता 'गंभीरश् श्रेणी में पहुंच गई। आईएमडी ने बताया कि रविवार को अधिकतम आठ किलोमीटर प्रति घंटे और सोमवार को 15 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने का अनुमान है। ठंडी हवाओं और कम तापमान के कारण प्रदूषक तत्व धरातल के निकट बने रहते हैं जबकि अनुकूल तेज हवाएं इन्हें अपने साथ उड़ा ले जाती हैं। मौसम संबंधी पूर्वानुमान जताने वाली निजी एजेंसी 'स्काईमेट वेदरश् के विशेषज्ञ महेश पलावत ने कहा कि दिल्ली के अधिकतम और न्यूनतम तापमान में पिछले कुछ दिन में बढ़ोतरी हुई है जिसका कारण पूर्व दिशा से आ रही हल्की, गर्म हवा और आसमान साफहोने के कारण दिन में पर्याप्त धूप हो सकती है। उन्होंने कहा कि ताजा पश्चिमी विक्षोभ के कारण जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के ऊपरी हिस्सों में मध्यम से भारी बर्फबारी हो सकती है। पलावत ने कहा कि पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव समाप्त होने के बाद बर्फसे ढके पश्चिमी हिमालयी क्षेत्रों से मैदानों की ओर बर्फीली हवा बहने से तापमान में गिरावट आएगी। आईएमडी ने बताया कि आगामी दो दिन में आंशिक से मध्यम कोहरा भी छाए रहने की संभावना है। केंद्र सरकार की दिल्ली के लिए वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली ने कहा कि शहर का वायु संचार सूचकांक रविवार को 1,000 वर्गमीटर प्रति सेकंड रहने का अनुमान है।

सम्विधान दिवस पर न्यायिक अधिकारियों व कर्मचारियों को दिलाई गई शपथ

सुल्तानपुर। माननीय राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं माननीय राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशानुसार माननीय जनपद न्यायाधीश सन्तोष राय के द्वारा जनपद न्यायालय सुल्तानपुर में कार्यरत सभी न्यायिक अधिकारी एवं कर्मचारी गण की उपस्थिति में सर्वप्रथम संविधान दिवस के अवसर पर शपथ समारोह में उपस्थित न्यायिक अधिकारीगण व कर्मचारीगण तथा अधिवक्ता बंधुओं को संविधान की शपथ दिलाई गई। तदुपरांत माननीय जनपद न्यायाधीश महोदय के आदेशानुसार समझौता एवं मध्यस्थता केंद्र में माननीय राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली द्वारा आयोजित वेविनार में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुल्तानपुर एवं पैनल अधिवक्ता मध्यस्थगण तथा पैरा लीगल वालंटियर न्याय बंधु एप के लांच होने संबंधित कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। उक्त कार्यक्रम के समापन के बाद माननीय जनपद न्यायाधीश श्री संतोष राय के आदेशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुल्तानपुर के तत्वाधान में विधिक साक्षरता जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। वेबीनार एव विधिक साक्षरता शिविर में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुल्तानपुर के अतिरिक्त श्री विनोद कुमार गुप्ता श्री सियाराम मिश्रा कुमारी रुखसाना बानो मध्यस्थ गण तथा नामिका अधिवक्ता श्री अशोक कुमार शुक्ला व अन्य समस्त अधिवक्ता गण तथा पैरा लीगल वालंटियर श्री शिव मूर्ति पांडे व श्री सतीश कुमार पांडे उपस्थित रहे। उक्त वेबीनार मे संविधान के संबंध में जानकारी देते हुए सचिव महोदय द्वारा उपस्थित जन समुदाय को कोविड-19 के वायरस को बढ़ने से रोकने के लिए जानकारी प्रदान की गई। उन्हें विधिक कर्तव्यो के प्रति जागरूक किया गया। उपरोक्त के अतिरिक्त माननीय राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशानुसार जनपद सुल्तानपुर में कार्यरत समस्त तहसील विधिक सेवा समितियों द्वारा भी संविधान दिवस के अवसर पर शपथ समारोह का आयोजन करते हुए उसके उपरांत विधिक साक्षरता जागरूकता शिविर का आयोजन करके जन समुदाय को संविधान के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही यह भी सूचित करना है कि माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय श्री उत्कर्ष चतुर्वेदी की अध्यक्षता में परिवार न्यायालय में शपथ समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें उपस्थित समस्त न्यायिक अधिकारी व कर्मचारी गणों को माननीय प्रधान न्यायाधीश श्री उत्कर्ष चतुर्वेदी द्वारा संविधान दिवस के अवसर पर शपथ दिलाई गई। इसके अतिरिक्त मोटर दुर्घटना न्यायाधिकरण के माननीय पीठासीन अधिकारी श्री राकेश कुमार त्रिपाठी द्वारा मोटर दुर्घटना न्यायाधिकरण में उपस्थित अधिवक्ता व कर्मचारी गण को संविधान दिवस के अवसर पर संविधान के प्रति शपथ दिलाई गई।

टिकटों की मारामारी, स्टेशन पर गुजर रही रात सारी

उरई/जलौन। रेलवे स्टेशन पर टिकटों की मारामारी है। हालत यह है कि लोग रजाई गद्दा लेकर आरक्षण काउंटर के सामने रात गुजारने को मजबूर है। दो-दो दिनों तक लाइन लगाने के बावजूद उन्हें टिकट नहीं मिल पाता है। आरोप लगाया कि खिड़कियों पर दलालों का बोलबाला है। जीआरपी और आरपीएफको यात्रियों की बेबसी नजर नहीं आती। जिसे टिकट मिल जाता है, वह कहता है कि जंग जीत ली। बता दें कि कोरोना काल के बाद अब जनरल टिकट के लिए आरक्षण जरूरी हो गया। दिवाली और छठ पूजा के त्योहार के बाद अब टिकटों को लेकर मारामारी तेज हो गई। ऐसे में तत्काल टिकट पाना किसी जंग जीतने के बराबर ही हो गया है। सुबह आठ बजे से रात आठ बजे तक आरक्षण खिड़की संचालित होती है। इसमें एसी कोच के लिए सुबह 10 बजे से और स्लीपर क्लास के लिए 11 बजे से तत्काल आरक्षण होते हैं। बुधवार की रात आरक्षण खिड़की के पास कुछ लोग रजाई गद्दा लेकर लेटे हुए थे। पूछने पर बताया कि वीरवार को तत्काल टिकट के लिए अभी से लाइन लगा ली है। मंगलवार को जो चार पांच लोग रात में लाइन लगाए थे, उनमें बुधवार को सिर्फ एक व्यक्ति का ही तत्काल आरक्षण टिकट बन पाया। छिरिया सलेमपुर के विनय कुमार ने बताया कि वह 19 तारीख से रोजाना रात को नंबर लगा जाते है और सुबह जब नंबर आता है तो खिड़की पर तैनात कर्मचारी सीट फुल होने की बात कह देता है। एक दो बार वेटिंग भी टिकट मिला लेकिन कंफर्म न होने के कारण यात्रा नहीं कर पाए। उन्होंने आरोप लगाया कि रात में ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मी भरोसा देते रहते हैं लेकिन सुबह न जाने क्या हो जाता है, उनका टिकट नहीं हो पाता है। उन्हें झांसी से गुंदकल (कर्नाटक) जाना है। गोहन निवासी राहुल कुशवाहा ने बताया कि उनके चाचा समेत तीन लोगों को झांसी से धर्मावरम (कर्नाटक) जाना है।

जिला खाद्य विपणन अधिकारी की क्यों इन पर मेहरबानी

सुलतानपुर। मामला विकास खण्ड कुड़वार अन्तर्गत खाद्य विभाग द्वारा संचालित राजकीय धान क्रय केन्द्र का है।जहां दिनांक 25 नवम्बर को धान क्रय केन्द्र विपणन निरीक्षक कक्ष में सन्नाटा देखने को मिला। तो बैनर पर अंकित विपणन निरीक्षक के सीयूजी नंबर पर फोन किया गया तो स्विच आफ मिला। क्षेत्रीय विपणन अधिकारी के सीयूजी नंबर पर फोन किया गया तो बताया कि मैं पहले उक्त धान क्रय केन्द्र पर क्षेत्रीय अधिकारी था अब मेरी डियुटी विकास खण्ड कूरेभार अन्तर्गत राजकीय धान क्रय केन्द्र पर खरीद करने के लिए लगी है। उक्त बैनर पर यदि मेरा नंबर नाम पद अब भी अंकित है,तो वह नियम संगत नहीं है।उतने में उक्त क्रय केन्द्र पर नियुक्त विपणन सहायक बृजेश कुमार आ गये।जब उनसे यह पूछा गया कि इस समय धान खरीद का महत्वपूर्ण समय चल रहा है, आप लोग कुर्सी छोड़कर नदारद हैं।आपका विपणन निरीक्षक कहाँ है।तो बताया कि विपणन निरीक्षक आज अवकाश पर हैं,और जब यह पूछा गया कि लिखित या मौखिक अवकाश पर हैं तो बताया कि अवकाश पत्र हमारे मोबाइल व्हाट्सएप पर अपने घर से भेजें है। जब उसका अवलोकन किया गया तो देखा गया कि उस पर जिला खाद्य विपणन अधिकारी का न तो हस्ताक्षर और न ही संस्तुति है। इसको अवकाश समझा जाय या मनमानी। इस बावत जब प्रभारी जिला खाद्य विपणन अधिकारी से फोन पर वार्तालाप किया गया तो वो उनके शुभचिंतक नजर आये। उन्होंने बताया कि उनकी तबियत बहुत खराब है, जिसके चलते वह आज नहीं आये हैं।जब उनसे यह बताया गया कि मौके पर मौजूद विपणन सहायक व्हाट्सएप पर एक अवकाश पत्र दिखा रहे है ।जिस पर अंकित है कि वह किसी तेरहवीं संस्कार में परिवार सहित सम्मिलित होने के लिए पत्र दिये है।जिस पर आपकी संस्तुतिहस्ताक्षर नहीं है और आप यह कह रहे हैं कि उनकी तबियत बहुत ज्यादा खराब है ।जिसके चलते छुट्टी पर गये है तब महोदय गिरगिट की तरह अपना रंग बदलते हुए बोले फिर वह तेरहवीं में गये होगें।सोचने का विषय यह है कि यदि तबियत बहुत ज्यादा खराब थी।तो तेरहवीं में कैसे सम्मिलित हुए।इसको क्या समझा जाय विपणन निरीक्षक की मनमानी या जिला खाद्य विपणन अधिकारी की खुब मेहरबानी।यदि सूत्रों की माने तो ज्यादातर यही रवैया रहता है।क्रय केन्द्र पर आने वाले किसानों को कठिनाई का सामना करना पड़ता है।

अब शादी समारोह के लिए प्रशासन की अनुमति जरूरी नही

समारोह में शामिल हो सकेगे 100 लोग

लखनऊ। शादी समारोहों को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने स्पष्ट निर्देश दिए है, शादी के लिए पुलिस या प्रशासनिक अनुमति की कोई आवश्यकता नहीं, कहीं से भी पुलिस दुर्व्यवहार की शिकायत आई तो सख्त कार्रवाई भी होगी, अधिकारियों की भी जवाबदेही तय होगी, केवल सूचना देकर कोविड प्रोटोकाल और गाइडलाइन के सभी निर्देशों का पालन करते हुए कर सकते है विवाह समारोह, समारोह के लिए निर्धारित लोगों की संख्या यानि 100 लोग है जिसमे बैंड बाजा या अन्य कर्मचारी शामिल नहीं होगे स सीएम योगी ने पुलिस महकमे के पेंच भी कसे है, सीएम ने कहा कि गाइडलाइन के नाम पर उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं होगा, लोगों को जागरूक करें, गाइडलाइन का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करेंस बैंड बजाने, डीजे बजाने से रोकने वाले अधिकारियों व पुलिसकर्मियों पर कठोर कार्यवाही होगी।

कोरोना महामारी में सरकार का दोहरा मापदंड, लगन के सीजन में अमीरों पर रहम और गरीबों पर सितम

सुल्तानपुर। कहते हैं सरकार की नजर में हिंदू मुस्लिम सिख ईसाई गरीब और अमीर सब एक समान होते हैं। लेकिन योगी सरकार में अमीर और गरीब के बीच में बहुत गहरी खाई बना दी गयी है। कोरोना महामारी में सरकार की ओर से शादी ब्याह के लिए जो कानून बनाए गए हैं, उसमें किसी भी कार्यक्रम में सिर्फ 50 व्यक्तियों के शामिल होने की अनुमति शासन प्रशासन की ओर से दी जा रही है।लेकिन योगी सरकार के अफ्सर अमीरों पर रहम कर रहे हैं और गरीबों पर सितम। शादी विवाह के लिए जब कोई गरीब जिलाधिकारी कार्यालय अनुमति के लिए जाता है तो उसे मात्र 50 व्यक्तियों की अनुमति दी जाती है, और जब कोई सांसद विधायक नेता या बहुत बड़े व्यापारी का करीबी अनुमति लेने पहुंचता है तो कागज में तो उसे 50 व्यक्ति की ही अनुमति दी जाती है।लेकिन शादी में शामिल होने के लिए, जब शादी का इंतजाम शहर के प्रतिष्ठित मैरिज हॉल में होता है तो उसमें व्यक्तियों की संख्या 50 से कहीं अधिक होती है। प्रशासन सब कुछ देख कर भी आंखें मूंद लेता है।जिमेदार कोई कार्रवाई नहीं करते है।गरीब के कार्यक्रम में 50 से अगर 51 व्यक्ति शामिल हो जाते हैं तो जिला प्रशासन के कर्मचारी कार्यवाही के लिए पहुंच जाते हैं। शहर के जलसा मैरिज हॉल में एक बड़े व्यक्ति की शादी का कार्यक्रम था। उस शादी में करीब 500 लोगों ने शिरकत की। उन सभी को कोरोना महामारी से बचने के लिए कोई अमीर पर जुर्माना नहीं किया गया। शादी विवाह में काम करने वाले गरीब लोगों का कहना है कि इस महामारी से बचने के लिए सरकार सिर्फगरीबों को ही परेशान कर रही है। अमीरों पर कोई रोक टोक नहीं है।अमीर को तो प्रशासन से अनुमति लेने की भी जरूरत नहीं पड़ती है। गरीब अनुमति लेने के बाद भी ठीक ढंग से डर की वजह से शादी का कार्यक्रम नहीं कर पा रहा है। जलसा मैरिज हाल में हो रही शादी का वीडियो यह बयां करता है कि अमीरों को करोना महामारी का कोई खौफ नहीं है। जिला प्रशासन भी अमीरों के खिलाफकोई कार्रवाई नहीं करता दिख रहा है।

संविधान दिवस पर छात्र, छात्राओं को दिलाई गई शपथ

सुल्तानपुर। वृहस्पतिवार को संविधान दिवस पर विकासखंड दुबेपुर के महर्षि दयानंद इंटर कॉलेज लौहर पश्चिम, सुल्तानपुर में शारीरिक शिक्षक संतोष कुमार द्विवेदी द्वारा संविधान दिवस पर वाचन कर विद्यार्थियों को शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर कालेज के छात्र छात्राओं, शिक्षकों और कर्मचारियों ने संविधान का पालन करने की शपथ ली। इस मौके पर कालेज के प्रधानाचार्य रन बहादुर सिंह ने छात्रध् छात्राओं को संविधान तथा मौलिक अधिकारों के बारे में जानकारी दी। विद्यार्थियों ने भारत को एक संपन्न, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य बनाने के लिए सदैव तत्पर रहने की शपथ ली। इस मौके पर प्रधानाचार्य रन बहादुर सिंह सहित समस्त शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

हत्यारोपी को अदालत से मिली जमानत

सुल्तानपुर। अखंड नगर थाना क्षेत्र में हत्या के आरोपी राहुल पुत्र मुरली निवासी ग्राम कुंदा भैरोपुर में फौजदारी अधिवक्ता अरविंद सिंह राजा ने आरोपी को जिला एवं सत्र न्यायाधीश जनपद सुल्तानपुर के यहां से जमानत दिलवाई। बताते चलें कि वादी मुकदमा महावीर के लड़के सोनू की लाश छोटेलाल के धान के खेत में मिली थी ।वादी को जानकारी मिली थी कि उसके लड़के का संबंध बृजलाल की लड़की से था। जिस कारण बृजलाल व उनका लड़का विकास रंजिश रखते थे। दिनांक 22ध्23-7 -2020 की रात्रि में उसके लड़के को मोबाइल फोन के द्वारा बुलाकर उक्त बृजलाल व विकास ने उसके लड़के सोनू की हत्या करके लाश को फेंक दिए थे। जिसमें दौरान विवेचना आरोपी राहुल का नाम प्रकाश में आया था। मामला आरोपी के जमानत हेतु जिला जज कि यहां विचाराधीन था। आरोपी के अधिवक्ता अरविंद सिंह राजा ने अभियोजन कहानी पर सवाल उठाते हुए आरोपों को निराधार बताया तथा कहा कि आरोपी को रंजिशन गलत तथ्यों के आधार पर फंसाया गया है। आरोपी प्रथम सूचना रिपोर्ट में नामित नही है, तथा अन्य तर्क आरोपी के बचाव हेतु प्रस्तुत करते हुए आरोपी की जमानत की मांग की। जबकि अभियोजन पक्ष ने अपने तर्क प्रस्तुत करते हुए आरोपी की जमानत खारिज करने की मांग की परंतु कोर्ट को अपनी दलीलों से संतुष्ट करने में असफल रहे। नतीजतन उपलब्ध साक्ष्यो एवं परिस्थितियों के आधार पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री संतोष राय ने आरोपी राहुल की जमानत अर्जी स्वीकार कर ली।

लूट का मुकदमा नही दर्ज कर रही कोतवाली देहात की पुलिस

सुल्तानपुर। पिछले दो सप्ताह पहले कोतवाली देहात क्षेत्र के अंतर्गत अभियाँ कलाँ निवासी आलोक शुक्ला पुत्र श्री प्रभात कुमार शुक्ला ने पास के ग्राम सभा सिसापुर मे क्रिकेट खेलने गया था ।विपक्षी टीम हारने के डर से मारपीट पर उतारू हो गई। वहाँ पर मौजूद कुछ दबंगों ने आलोक शुक्ला को मारपीट कर सोने की चौन छीन ली और फरार हो गये। धमकी भी दी की मै चौन बेचकर जमानत करा लूगा, जो करना है जा कर कर लेना। मामले की जानकारी आलोक शुक्ला ने 112 पर देकर मामले का शिकायती पत्र कोतवाली देहात मे देकर कानूनी कार्यवाही करने की माँग की। लेकिन आज तक ना तो मुलजिम पकडा गया ना ही मुकदमा दर्ज किया गया। सिकायती पत्र के आधार पर कोतवाली देहात पुलिस ने एक आरोपी को पकड कर थाने लेकर आए। तो वही लम्भुआ बिधायक देवमणि दुबे के सहयोगी प्रदिप दुबे मुल्जिम को थाने से छुडा कर लेकर चले गए।सत्ता पछ के दबाव से आज तक आरोपी के खिलाफना तो मुकदमा दर्ज हुआ ना आरोपी पकडे गये।

सम्पादकीय

देश के मुसलमानों को साथ लेना जरूरी

इस बात में कोई दो राय नहीं है कि पाकिस्तान एक असफल राष्ट्र है। उसकी सारी संस्थाएं तबाह हो चुकी हैं, नीति निर्धारण का सारा काम फौज की एक शाखा, आईएसआई के हवाले कर दिया गया है। आईएसआई के पास इतना फौजी साजो-सामान नहीं है कि वह सैनिक तरीके से किसी देश को अर्दब में ले सके। उस कमी को पूरा करने के लिए पाकिस्तानी डीप स्टेट ने धार्मिक तरीकों के सहारे पड़ोसी देश की नीतियों को प्रभावित करने की कोशिश शुरू कर दिया है। आईएसआई ने धर्म के नाम पर आतंक फैलाने वालों के कई गिरोह बना रखे हैं। उनमें से जैश-ए-मुहम्मद और लश्कर-ए-तय्यबा प्रमुख हैं। यह दोनों ही संगठन संयुक्त राष्ट्र और स्वयं पाकिस्तान सहित कई देशों की उस सूची में दर्ज हैं जहां वैश्विक आतंकवादी संगठनों का नाम है। लेकिन इन्हीं संगठनों के सहारे वह भारत में अक्सर आतंकवादी हमले करता रहता है। जैश-ए-मुहम्मद का सरगना मसूद अजहर और लश्कर-ए-तय्यबा का कर्ता-धर्ता हाफज सईद है। जब पाकिस्तान मजबूरीवश इनके संगठनों को कागजी तौर पर प्रतिबंधित कर देता है तो अपने आतंक के तामझाम का ये लोग कोई और नाम रख लेते हैं लेकिन धंधा वही चलता रहता है। आतंक के इसी सरंजाम के अगुवा हाफज सईद ने 26 नवम्बर, 2008 को मुंबई के कई ठिकानों पर आत्मघाती हमले करवाए थे। उसी तारीख को हर साल कुछ न कुछ करने की पाकिस्तानी फौज की कोशिश को भारतीय सुरक्षा तंत्र अच्छी तरह जानता है। इस बार भी ऐसी कोशिश होने वाली थी। उसके लिए उसी तैयारी के साथ आत्मघाती दस्ता भेजा गया था लेकिन चौकन्ना सुरक्षा तंत्र ने उन आत्मघाती आतंकियों को नगरोटा में मार गिराया। हो सकता है कि इस तरह के और भी मोड्यूल कहीं और हों लेकिन यह सच है कि पाकिस्तान के फौजी तंत्र को यह आभास देना होता है कि वह भारत को अपने दबाव में रख रहा है ताकि उसके भारत में सक्रिय लोगों का मनोबल बढ़ा रहे। पाकिस्तान के सत्ता प्रतिष्ठान के पास ऐसे बहुत सारे तरीके हैं जिससे वह भारत में अशांति का माहौल बनाने की कोशिश करता है। भारत के बेरोजगार अशिक्षित और गरीब मुसलमानों के लड़कों को धार्मिक रूप से खूंखार बनाने की कोशिश भी एक तरीका है। सरकार को और समाज को समझना चाहिए कि पाकिस्तानी आईएसआई और वहां का कठमुल्ला तंत्र निराश, फ्टेहाल और गरीब नौजवानों में अपने बन्दे फ्टि कर रहा होता है। किसी भी सामाजिक संगठन या सरकारी संगठन के राडार पर असंतोष के इस अंडर करेंट को समझने की कोशिश होती नहीं दिख रही है। मुसलमान नौजवानों को भारत के खिलाफकरने का जो धार्मिक प्रोजेक्ट चल रहा है उसमें ही नए जेहादी तलाशे जा रहे हैं लेकिन सरकारें बिल्कुल बेखबर हैं। लव जेहाद के नाम पर ध्रुवीकरण करने की कोशिश कर रहे आरएसएस के संगठन भी इस समस्या से अनजान दिखते हैं। सही बात यह है कि अगर समाज के इस बड़े वर्ग की चिंताओं को सरकारी तौर पर ध्यान दिया जाए तो भारत के मुसलमानों को भारत के खिलाफकरने की पाकिस्तान की कोशिश को रोका जा सकता है। अगर इस प्रवृत्ति को न रोका गया तो पाकिस्तानी आईएसआई और उनके आतंक की खेती करने वाले गिरोहों के सरगना मसूद अजहर और हाफज सईद जैसे लोगों को हिन्दुस्तान में वारदात करने के लिए पाकिस्तान से आतंकवादी भेजने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

गौवंश बचायेंगे, तो बचेगा पर्यावरण

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

मध्य प्रदेश में बाकायदा विधानसभा का गौ सत्र बुलाया गया, तो छत्तीसगढ़ ने गाय का गोबर खरीदना शुरू कर दिया है. उप्र सरकार ने गाय को जिबह करने पर विशेष कानून बना दिया है. वास्तव में इस समय कई कारणों से व्यापक स्तर पर गौवंश बचाने की जरूरत है. इनमें बढ़ती आबादी, घटते रकबे, कोरोना के बाद उपजी मंदी-बेरोजगारी के बीच कुपोषण के बढ़ते आंकड़े और कार्बन उत्सर्जन तीस से पैंतीस फीसदी कम करने की हमारी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धता आदि कुछ प्रमुख कारण शामिल हैं. विभिन्न सरकारों द्वारा चलायी जा रही योजनाओं से गौवंश संरक्षण के लिए गौशालाएं तो खुल सकती हैं, लेकिन जब तक गौवंश आज से चार दशक पहले की तरह हमारी सामाजिक-आर्थिक धुरी नहीं बनेगा, उसके संरक्षण की बात बेमानी होगी. खेती को लाभकारी बनाने, कार्बन उत्सर्जन कम करने और सभी को पौष्टिक भोजन मुहैया करवाने की मुहीम गौवंश पालन के बगैर संभव नहीं है. इसके लिए गाय की अनिवार्यता को बढ़ावा देने की जरूरत है. मानव सभ्यता के आरंभ से ही गौवंश इंसान के विकास पथ का सहयात्री रहा है. मोहनजोदड़ो व हड़प्पा से मिले अवशेष साक्षी हैं कि पांच हजार वर्ष पहले भी हमारे यहां गाय-बैल पूजनीय थे. आज भी भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मूल आधार गौवंश है. हालांकि भैंस के बढ़ते प्रचलन तथा कतिपय कारखाना मालिकों व पेट्रो उद्योग के दवाब में गांवों में अब टैक्टर व अन्य मशीनों का प्रयोग बढ़ गया है. लेकिन धीरे-धीरे अब समझ आने लगा है कि हल खींचने, पटेला फेरने, अनाज से दानों व भूसे को अलग करने, फसल काटने, पानी खींचने और अनाज के परिवहन में छोटे किसानों के लिए बैल न केवल किफायती हैं, बल्कि धरती व पर्यावरण के संरक्षक भी हैं. लोगों को यह संदेश देना जरूरी है कि गाय केवल अर्थव्यवस्था ही नहीं, पर्यावरण की भी संरक्षक है. इसीलिए इसे बचाना जरूरी है. एक सरकारी अनुमान है कि आने वाले आठ वर्षों में भारत की सड़कों पर कोई 27 करोड़ आवारा मवेशी होंगे. उन्हें सलीके से रखने का व्यय पांच लाख, चालीस हजार करोड़ होगा. जबकि इतना ही पशुधन तैयार करने का व्यय कई हजार करोड़ होगा. हमारे पास यह धन पहले से उपलब्ध है, बस हम इसका सही तरीके से इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं. डेनमार्क में दूध देने वाली प्रत्येक गाय का वार्षिक दुग्ध उत्पादन औसत 4,101 लीटर है, स्विटजरलैंड में 4,156, अमेरिका में 5,386 और इंग्लैंड में 4,773 लीटर है. वहीं भारत की गाय सालाना 500 लीटर से भी कम दूध देती है. यानी, भारत में गाय के दूध का उत्पादन दुनिया में सबसे कम है. हमारे यहां की ब्रंदावनी व थारपार जैसी किस्म की गायें एक दिन में 22 लीटर तक दूध देती हैं. लेकिन महंगी होने के कारण इन गायों का प्रचलन बहुत कम है. जाहिर है कि भारत में गाय पालना बेहद घाटे का सौदा है. जब गाय दूध देती है तब तो पालक उसकी देखभाल करता है और जब दूध देना बंद कर देती है, तो उसे सडक पर छोड़ देता है. ऐसा नहीं है कि पहले बूढ़ी गायें नहीं हुआ करती थीं, लेकिन 1968 तक देश के हर गांव-मजरे में तीन करोड़, बत्तीस लाख, पचास हजार एकड़ गौचर की जमीन हुआ करती थी. सनद रहे कि चरागाह की जमीन बेचने या उसके अन्य काम में इस्तेमाल पर हर तरह की रोक है. शायद ही कोई ऐसा गांव या मजरा होगा जहां पशुओं के चरने की जमीन के साथ कम से कम एक तालाब और कई कुएं न हों. जंगल का फैलाव भी पचास फीसदी तक था. पर आधुनिकता की आंधी में लोगों ने चारागाह, तालाब सब खत्म कर दिये. ऐसे में निराश्रित पशु खेत के ही सहारे तो रहेगा. गौवंश पालन से दूध व उसके उत्पाद को बढ़ाकर कम कीमत पर स्थानीय पौष्टिक आहार तैयार किया जा सकता है. गाय व बैल का ग्रामीण विकास व खेती में इस्तेमाल हमारे देश को डीजल खरीदने में व्यय होने वाली विदेशी मुद्रा के भार से बचाने के साथ ही डीजल संचालित ट्रैक्टर, पंप व अन्य उपकरणों से होने वाले घातक प्रदूषण से भी निजात दिलाता है. वहीं छोटे रकबे के किसान के लिए बैल का इस्तेमाल ट्रैक्टर के बनिस्पत सस्ता होता है. गोबर और गौमूत्र का खेती-किसानी में इस्तेमाल न केवल लागत कम करता है, बल्कि गोबर का खेत में प्रयोग कार्बन की मात्रा को नियंत्रित करने का बड़ा जरिया भी है. फसल अवशेष, जिन्हें जलाना इस समय की एक बड़ी समस्या है, गौवंश का उपयोग बढ़ने पर उनके आहार में प्रयुक्त हो जायेगा. एक बात और, उपलों को जलाने से ऊष्मा कम मिलती है और कार्बन व अन्य वायु-प्रदूषक तत्व अधिक. इसकी जगह गोबर का कंपोस्ट के रूप में इस्तेमाल ज्यादा सही होगा.

सरकार में बैठे लोग जानते हैं कि भारत में मवेशियों की संख्या लगभग तीस करोड़ है. इनसे लगभग तीस लाख टन गोबर प्रतिदिन मिलता है. इसमें से तीस प्रतिशत को कंडाध्उपला बना कर जला दिया जाता है. ब्रिटेन में गोबर गैस से हर साल सोलह लाख यूनिट बिजली का उत्पादन होता है. चीन में डेढ करोड़ परिवारों को घरेलू ऊर्जा के लिए गोबर गैस की सप्लाइ होती है. यदि गोबर का सही इस्तेमाल हो, तो प्रतिवर्ष लगभग छह करोड़ टन लकड़ी बचायी जा सकती है. साढे तीन करोड़ टन कोयला बच सकता है. कई करोड़ लोगों को रोजगार मिल सकता है. आज भी भारत के राष्ट्रीय आय में पशुपालकों का प्रत्यक्ष योगदन छह फीसदी है. अतः देश व समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पशुधन को सहेजने के प्रति दूरंदेशी नीति व कार्य योजना आज समय की मांग है.

अमेरिकी सत्ता परिवर्तन के मायने

डॉ अश्विनी महाजन

अमेरिकी चुनावों को लेकर भारत में इस बार शायद पहले से कहीं ज्यादा उत्सुकता थी. कारण था अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बड़बोलापन, लेकिन साथ ही अपने बिंदास अंदाज के लिए वे लगातार समाचारों में बने रहे. प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप की निजी केमिस्ट्री भी समाचारों में स्थान पाती रही है. प्रधानमंत्री मोदी की हाउडी मोदी रैली में मोदी के हाथों में हाथ डालकर भारतीयों का अभिवादन करना अभी भी भारतीयों के मस्तिष्क पटल पर बना हुआ है. हालांकि, डोनाल्ड ट्रंप राजनीति में अपेक्षाकृत अधिक अनुभवी हिलेरी क्लिंटन को हराकर राष्ट्रपति पद पर पहुंचे थे. जबकि 78 वर्षीय जोसेफ बाइडेन 1973 से राजनीति में सक्रिय हैं और उनका राजनीतिक जीवन 47 वर्ष का है. बराक ओबामा के कार्यकाल में वे उपराष्ट्रपति भी रह चुके हैं. बाइडेन अंतरराष्ट्रीय संबंधों में भारत की अहम भूमिका के बारे में भलीभांति परिचित हैं. अमेरिका के साथ भारत के संबंध काफी उतार-चढ़ाव वाले रहे हैं. शीतयुद्ध के दिनों में भारत की तटस्थ नीति अमेरिका को कभी रास नहीं आयी. उन दिनों पाकिस्तान के साथ अमेरिका के संबंध अधिक दोस्ताना थे. भारत-पाक युद्ध के दौरान अमेरिका द्वारा भारत के विरुद्ध वीटो का उपयोग भारत कभी भूला नहीं. लेकिन, उसके बाद काफी बदलाव हो चुके हैं. सोवियत संघ का विघटन और भूमंडलीकरण का विस्तार हुआ. इस दौरान जाने-अनजाने में अमेरिका को भारत का भरपूर साथ मिला. पिछले तीन दशकों में प्रौद्योगिकी कंपनियों, इ-कामर्स, फार्मा कंपनियों समेत अमेरिकी कॉरपोरेट का भारत में खासा विस्तार हुआ है. अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना (हालांकि भारी आयातों के चलते पिछले कुछ सालों से यह स्थान चीन ने ले लिया). आज बड़ी संख्या में भारतीय अमेरिकी अर्थव्यवस्था और प्रशासन में अहम भूमिका निभा रहे हैं. पिछले काफी समय से अमेरिका का पाकिस्तान से मोहभंग हो चुका है. पाकिस्तान के आतंकवाद परस्त होने के कारण अमेरिका की पाकिस्तान से दूरी और भारत के साथ नजदीकी बनती गयी. आतंकवाद में लिप्तता के कारण पाकिस्तान फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की 'ग्रे सूची' में है और उसे कभी भी 'ब्लैक सूची' में डाला जा सकता है. पिछले कई वर्षों से पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति में लगातार गिरावट आती जा रही है. ऐसे में अमेरिकी प्रशासन में बदलाव के बाद भी अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों में गर्माहट आने की दूर-दूर तक कोई संभावना नहीं है. जहां तक चीन का सवाल है, तो डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति बनने से पहले ही चीन के साथ युद्ध छेड़ रखा था, जिसने पिछले दो सालों से व्यापार युद्ध का रूप ले लिया था. पिछले दो दशकों से अपनी आक्रामक आर्थिक नीति, विशेष तौर पर व्यापार नीति के चलते चीन ने अमेरिका को आर्थिक चुनौती दे रखी थी. आमतौर पर यह माना जा रहा है कि बाइडेन चीन के प्रति नरम रुख अपना सकते हैं, लेकिन समझना होगा कि पिछले काफी समय से अमेरिका के साथ चीन के तल्ख संबंध चल रहे हैं. इस प्रकार चीन की विस्तारवादी नीति के कारण प्रशांत महासागर में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया द्वारा पिछले कुछ समय से संयुक्त रूप से सैन्य अभ्यास चल रहे हैं. उन्हें अब विराम देना संभव नहीं होगा, क्योंकि ऐसा करना अमेरिका की महाशक्ति की छवि के विरुद्ध होगा. दूसरे, जहां ट्रंप अमेरिका को फिर से महान बनाने की बात करते रहे हैं, तो बाइडेन अमेरिकी खरीदो (बाय अमेरिकन) के पक्षधर रहे हैं. इसलिए, चीन के खिलाफव्यापार प्रतिबंधों को विराम दिया जाना भी व्यावहारिक नहीं होगा. हमें नहीं भूलना चाहिए कि डोनाल्ड ट्रंप चीन के खिलाफकड़ा रुख अपनाते हुए सामरिक एवं कूटनीतिक दृष्टि से भारत के अधिक नजदीक दिखते थे, लेकिन आर्थिक दृष्टि से वे भारतीय हितों के खिलाफ लगातार फैसले लेते रहे. व्यापार युद्ध में उनका पहला निशाना चीन ही था, लेकिन उसी क्रम में उन्होंने पहले भारत से आनेवाले आयातों पर आयात शुल्क भी बढ़ाया. बाद में तो कई दशकों से भारत को अमेरिका द्वारा प्रदत्त अन्य देशों से कम आयात शुल्क पर प्राथमिकता के आधार पर आयात की व्यवस्था यानी जनरलाइज्ड सिस्टम ऑफप्रिफरेंसेज (जीएसपी) को भी समाप्त कर दिया. यही नहीं, अमेरिका में काम कर रहे इंजीनियरों और अन्य कार्मिकों के लिए वीजा नियमों को प्रतिकूल बनाना भी उन्होंने शुरू कर दिया था. इसके चलते अमेरिका में भारतीयों पर अनिश्चितता की तलवार लटकने लगी थी. साथ ही राष्ट्रपति चुनावों से पहले ही अमेरिकी प्रशासन भारत पर यह दबाव भी बना रहा था कि भारत उनके साथ व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करे. अमेरिका की इस बाबत शर्तें भारतीय हितों के अनुकूल भी नहीं थी और समझौता नहीं हो पाया था. समझना होगा कि बाइडेन के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती अमेरिकी समस्याओं का निदान है. विश्व में सबसे ज्यादा कोरोना संक्रमण और मौतों के चलते एक ओर स्वास्थ्य संकट औरदूसरी और आर्थिक संकटों से पार पाना बाइडेन की पहली प्राथमिकता होगी. इसके अतिरिक्त, हाल ही में अमेरिका में नस्लीय दंगों के कारण भी समाज में विघटन उत्पन्न हो रहा है. इसके लिए भी बाइडेन को काफी मेहनत करनी पड़ेगी. इतना ही नहीं, अमेरिका एक महाशक्ति की छवि को पहले समय से काफी धक्का लगा है, क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप यूरोप एवं अपने अन्य सहयोगी और मित्र देशों के साथ मधुर संबंध बनाये रखने में असफल रहे. इसके चलते अमेरिका की छवि और शक्ति दोनों ही प्रभावित हुई हैं. महामारी के चलते भूमंडलीकरण के प्रति दुनिया का मोह भी भंग हुआ है, जिसका नुकसान चीन को ही नहीं अमेरिका को भी उठाना पड़ेगा. आनेवाले समय में अमेरिका की महाशक्ति की छवि को पुनर्स्थापित करने में बाइडेन कितना सफल होते हैं, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि वे अमेरिकी समस्याओं का कितना निदान कर पाते हैं, लेकिन उन्हें यह समझना होगा कि दुनिया की उभरती हुई शक्तियों में से भारत सबसे अधिक विश्वसनीय दोस्त रह सकता है, इसलिए भारत के आर्थिक और सामरिक हितों को सुरक्षित करते हुए भारत और अमेरिका के बीच आर्थिक सहयोग, अमेरिका और भारत के लिए ही नहीं बल्कि विश्व शांति के लिए भी मंगलकारी होगा.

सरकार द्वारा बार-बार एस्मा लगाये जाने से कर्मचारी समाज नाराज

लखनऊ। उ0प्र0 चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ की प्रान्तीय कार्य समिति की बैठक प्रदेश अध्यक्ष रामराज दुबे की अध्यक्षता में उ0प्र0 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ भवन लो0नि0वि0 में सम्पन्न हुई। बैठक का संचालन सुरेश सिंह यादव ने किया। बैठक को सम्बोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष रामराज दुबे ने कहा कि बिना हड़ताल,धनरा प्रदर्शन हुए सरकार द्वारा बार-बार एस्मा लगाकर कर्मचारी संगठनों की आवाज दबाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों में प्रत्येक माह सरकार,शासन तथा विभाग स्तर पर वार्ताएं आयोजित की जाती थी। समस्याओं का समाधान होता था कभी भी एस्मा लगाने की जरूरत नहीं पड़ी। आज सरकार, शासन, विभाग द्वारा वार्ता करना तो दूर कोई बात सुनने को तैयार नहीं है। बार-बार एस्मा लगाकर लोकतन्त्र का मजाक उड़ाया जा रहा है। प्रदेश महामंत्री सुरेश सिंह यादव ने कहा कि अनेकों बार 20 सूत्रीय मां-पत्र मा0 मुख्यमंत्री जी, मुख्य सचिव, अपर मुख्य सचिव कार्मिक उ0प्र0 सरकार एवं शासन को प्रेषित किये गये वार्ता करना तो दूर कोई कार्यवाही तक नहीं की गयी। मा0 मुख्यमंत्री जी एवं मुख्य सचिव, अपर मुख्य कार्मिक उ0प्र0 सरकार एवं शासन को संज्ञान लेना चाहिए। संगठनों की द्विपक्षीय वार्ताएं बुलानी चाहिए समस्याओं का समाधान करना चाहिए। कर्मचारी संगठन अनावश्यक धरना प्रदर्शन हड़ताल नहीं करना चाहता, किन्तु बार-बार एस्मा लगाकर सरकार द्वारा कर्मचारी संघों को आक्रोशित एवं उत्तेजित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने सरकार द्वारा बार-बार एस्मा लगाये जाने के कदम की निन्दा करते हुए कहा कि सरकार को चाहिए कि एस्मा न लगाकर द्विपक्षीय वार्ताएं आयोजित कराकर लम्बित समस्याओं का समाधान कराना चाहिए। प्रदेश अध्यक्ष रामराज दुबे महामंत्री सुरेश सिंह यादव नेताद्वय ने कहा कि प्रदेश में सारे संवर्गों की भर्ती की जा रही है। वहीं पर पूरे प्रदेश में सारे विभागों में लगभग साढ़े चार लाख चतुर्थ श्रेणी के पद रिक्त हैं। चतुर्थ श्रेणी के पदों पर भर्ती नहीं की जा रही है, जबकि सरकार से बार-बार चतुर्थ श्रेणी की भर्ती की मांग की जा रही है। सरकार एक तरफ रोजगार सृजन की बात करती है। दूसरी तरफ स्वीकृत रिक्त साढ़े चार लाख चतुर्थ श्रेणी के पदों पर भर्ती नहीं की जा रही है, बेरोजगारी का आलम यह है कि हर युवा चतुर्थ श्रेणी के पदों पर भर्ती के लिए लालमित है। उन्होंने सरकार से चतुर्थ श्रेणी के साढ़े चार लाख रिक्त पदों पर भर्ती की मांग की। बैठक में, महेन्द्र पाण्डेय, भारत सिंह यादव, माया देवी, दूधनाथ, सीताराम, शेख निसार अहमद, मान सिंह, रामयश, नौरिश पाल, कलावती, कृष्ण कुमार मिश्र, रामजी तिवारी, के0वी0 जोशी, रजनीश, भाई लाल, सुनील वर्मा, नान्हू प्रसाद, रामेन्द्र श्रीवास्तव, हुसैन अब्बास, जगदीश सिंह, शैलेश त्यागी, मित्तल सोनकर, पी0एन0 पाण्डेय, वासुदेव कश्यप, हुकुम सिंह आदि सारे विभागों ने एस्मा का विरोध करते हुए चतुर्थ श्रेणी की सीधी भर्ती की मांग की।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय स्टीयरिंग कमेटी की बैठक आयोजित

लखनऊ। नेशनल एडॉप्टेशन फण्ड ऑन क्लाइमेट चेंज के अन्तर्गत परियोजनाओं के विचरन, प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति, क्रियान्वयन व अनुश्रवण हेतु राज्य स्तर पर मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी की अध्यक्षता में गठित राज्य स्तरीय स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में बताया गया कि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार द्वारा नेशनल पॉलिसी फॉर मैनेजमेन्ट ऑफ क्रॉप रेजिड्यू के आलोक में मान0 एनजीटी के आदेश के क्रम में क्लाइमेट रेजीलिएन्स बिल्डिंग इन रूरल एरियाज थ्रू क्रॉप रेजिड्यू मैनेजमेन्ट हेतु प्रदेश में एन0सी0आर0 के 07 जनपदों में परियोजना के क्रियान्वयन के लिए 22.56 करोड़ रूपये स्वीकृत किये गये हैं। उक्त परियोजना के क्रियान्वयन हेतु जनपद मेरठ, बागपत, बुलन्दशहर, गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर, हापुड़ एवं मुजफ्फरनगर चिन्हित किये गये हैं। बैठक में इन जनपदों में इंस्टालेशन ऑफ बायो कोल प्लान्ट्स, इंस्टालेशन ऑफ बायो सीएनजी प्लान्ट्स, इंस्टालेशन ऑफबायो मैन्योर प्लान्ट्स की स्थापना के सम्बन्ध में प्रोजेक्ट कम्पोनेन्ट एवं फाइनेंसिंग पर गहन विचार-विमर्श किया गया। परियोजना के अन्तर्गत एग्रीकल्चर रेजिड्यूज और दूसरे बायो डिग्रेडबल वेस्ट मैनेजमेन्ट के द्वारा एनसीआर के वर्णित जनपदों में बायो इनर्जी का उत्पादन किया जायेगा। प्रोजेक्ट का क्रियान्वयन फार्मर प्रोड्यूसर कम्पनीज एवं एम0एस0एम0ई0 स्तर के उद्यमियों द्वारा किया जायेगा। साथ ही यह प्रोजेक्ट प्रथम आगत प्रथम प्रदत्त के आधार पर चलाया जायेगा। मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी ने अपने सम्बोधन में एंटरप्रेन्योर्स के साथ बैठक कर उक्त के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर तद्नुसार प्रोजेक्ट तैयार कराने पर बल दिया।

इंडोनेशिया में कोर्स का हिस्सा बनेगी 'भाजपा की गौरव गाथा'

लखनऊ। विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी के अतीत, वर्तमान और भविष्य को दस्तावेजों के संग रेखांकित करती शांतनु गुप्ता की पुस्तक-'भारतीय जनता पार्टी की गौरव गाथा' लोकप्रियता और बिक्री के नये कीर्तिमान स्थापित कर रही है। इस किताब में जबर्दस्त तरीके से अतीत को खंगाला गया है और राष्ट्रवाद से प्रेरित इस किताब में 1857 के स्वाधीनता संग्राम से लेकर अबतक की परिस्थितियों का आकलन व लेखा-जोखा सारगर्भित ढंग प्रस्तुत किया गया है। लेखक शांतनु ने बताया कि पिछले दिनों इस्लामिक यूनिवर्सिटी ऑफ इंडोनेशिया के फैकेल्टी मेम्बर प्रो0 हादजा मिन पद्दली भारत भ्रमण पर आये और किताब के अंग्रेजी संस्करण को अपने साथ लेकर गये। वहां पहुचकर इसका अध्यन करने के बाद उन्हने अपने स्कॉलर्स के साथ पुस्तक का सेशन कराया। इसका अच्छा रिस्पांस देखने के बाद अब यह किताब इनके एक कोर्स का हिस्सा भी बनाने जा रही है। भारतीय जनता पार्टी को अभी तक सम्पूर्णता में व्याख्यायित नहीं किया गया हैं, लेखक शांतनु बताते हैं कि ये मेरा बेहद बारीकी से किया गया ईमानदार प्रयास है। राष्ट्रवादी आंदोलन की पृष्ठभूमि में किसी रोचक कहानी की तरह रची इस किताब में आर्य समाज से लेकर हिंदू महासभा से लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व भारतीय जनसंघ तक को पूर्णता के साथ दस्तावेजी रूप में समाहित किया गया है, जहां भाजपा की विचारशीलता प्रधान है। इस 160 साल की यात्रा को पांच व्यापक भागों में विभाजित किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर अमेजन द्वारा वर्ष 2017 की सबसे यादगार घोषित पुस्तक 'द मॉन्क हू बिकेम चीफमिनिस्टर' से चर्चा में आए और जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल, टाइम्स लिट फेस्ट सहित देश के सभी प्रमुख साहित्य उत्सवों द्वारा आमंत्रित पुस्तक के लेखक शांतनु का मानना है कि प्राचीन राष्ट्र भारत के हिमालय से कन्याकुमारी तक, युगों-युगों से, भौगोलिक रूप से, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक रूप से जीवंत रहा है। भारतीय राष्ट्रवाद, यहां की महान प्राचीन संस्कृति ही इसे अन्य देशों से अलग करती है। उनके अनुसार, आज की भाजपा राष्ट्रवादी आंदोलनों की नवीनतम राजनीतिक अभिव्यक्ति है जिसे जनता ने जाना है। दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी, बीजेपी की कहानी कहती यह पुस्तक राष्ट्रवादी आंदोलनों के इतिहास की पड़ताल भी करती है।

मतदाता शिक्षक सम्मेलन में बीजेपी प्रत्याशी के समर्थन की अपील

लखनऊ। आगामी एक दिसम्बर को होने वाले एमएलसी चूनाव के मद्देनजर भाजपा के प्रत्याशियों के पक्ष में एक मतदाता शिक्षक सम्मेलन का आयोजन किया गया। राजाजीपुरम् के सेंट जोसेफस्कूल में आयोजित सम्मेलन में शिक्षकों व स्थानीय स्नातक प्रबुद्धजनों ने बड़ी संख्या में अपनी उपस्थिति दर्ज करायी। इस अवसर पर गृह मंत्री राजनाथ सिंह के पुत्र नीरज सिंह, क्षेत्रीय विधायक पश्चिम सुरेश कुमार श्रीवास्तव, वेदव्रत बाजपेयी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य व विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक, प्रबन्धक, प्रधानाचार्य तथा स्थानीय स्नातक मतदाता उपस्थित थें। इस मतदाता सम्मेलन में लखनऊ खण्ड स्नातक निर्वाचन से भाजपा के प्रत्याशी इन्जीनियर अवनीश कुमार सिंह तथा लखनऊ खण्ड शिक्षक निर्वाचन से भाजपा के प्रत्याशी उमेंश द्विवेदी के पक्ष में प्रबुद्ध मतदाताओं से वरीयता क्रम मे प्रथम स्थान पर वोट करने की अपील की। इस अवसर पर सेंट जोसेफ के प्रबन्ध निदेशक अनिल अग्रवाल ने शिक्षकों व स्नातक मतदाताओं से भाजपा के दोनों प्रत्याशियों के नाम के आगे एक का चिह्न बनाकर भारी मतों से जिताने की अपील की।उन्होनें विश्वास जताया कि इस बार भाजपा के दोनों प्रत्याशी विजयी होगें। शिक्षक मतदाता सम्मेंलन में आये शिक्षकों प्रधानाचार्यों व प्रबन्धकों ने एक सुर में भाजपा प्रत्याशियों पर अपना विश्वास जताते हुये उनके पक्ष में मतदान करने को कहा।

एमिटी विश्वविद्यालय और सेव दि चिल्ड्रेन, स्ट्रीट चिल्ड्रेन पर ऑनलाइन फोटो प्रर्दशनी का शुभारम्भ

लखनऊ। स्ट्रीट चिल्ड्रेन और शहर की मलिन बस्तियों में कठिन जीवन यापन करने वाले देश के कर्णधारों की दुर्दशा को बयान करने और समाज में उनके प्रति चेतना जगाने के उद्देश्य से एमिटी स्कूल ऑफ कम्युनिकेशंस, एमिटी विश्वविद्यालय लखनऊ परिसर ने सेव दि चिल्ड्रेन संस्था के साथ मिलकर एक ऑनलाइन डिजिटल फोटो प्रर्दशनी 'लेंस ऑन द लाइफऑफ चिल्ड्रेन ऑन स्ट्रीट' का शुभारम्भ किया। इस प्रदर्शनी में प्रर्दशित सारे चित्र एमिटी स्कूल ऑफकम्युनिकेशंस के विद्यार्थियों ने शहर की विभिन्न मलिन बस्तियों और सड़कों पर अपने कैमरे में उतारी हैं। प्रदर्शनी का शुभारंभ प्रीति वर्मा, सदस्य, एससीपीसीआर, रुचिता चौधरी आईपीएस, पुलिस उपायुक्त महिला अपराध, शबनम पांडेय, प्रवक्ता, बीजेपी उत्तर प्रदेश, संजय जौहरी, डायरेक्टर एमिटी स्कूल ऑफकम्युनिकेशंस और देवेंद्र टाक, हेड, मीडिया एवं संचार, सेव द चिल्डेऊन नेशनल सपोर्ट ऑफिस नई दिल्ली ने किया ऑनलाइन माध्यम से किया। इस मौके पर देवेंद्र टाक, हेड, मीडिया एंड कम्युनिकेशंस, सेव द चिल्डेऊ ने कहा कि, 卐सड़कों पर विकट परिस्थितियों में गुजारा करने वाले बच्चे समाज में सबसे ज्यादा संवेदनशील हैं। वे अदृश्य होते हैं क्योंकि हम उन्हें रोजाना देखते हैं लेकिन हम उन पर ध्यान नहीं देते हैं। यह डिजिटल प्रदर्शनी इन बच्चों को सामने लाने का एक प्रयास है, ताकि प्रत्येक हितधारक उनकी भलाई सुनिश्चित करने के प्रति अपनी जिम्मेदारी को याद रख सके। यह उनकी जिंदगी की छवियाँ हैं, जिसे कोई भी नजरअंदाज नहीं कर सकता। प्रो0 (डा0) संजय मोहन जौहरी, डायरेक्टर, एमिटी स्कूल ऑफ कम्युनिकेशंस, एमिटी यूनिवर्सिटी, उत्तर प्रदेश लखनऊ कैंपस ने कहा, 卐भारत के शहरों में सड़क परिस्थिति में गुजारा करने वाले बच्चे आमतौर पर देखे जा सकते हैं। हैरानी की बात यह है कि जब हम उन्हें देखते हैं, तो हम इसे असामान्य स्थिति नहीं पाते हैं, जो अपने आप में विचलित करने वाला है। अब इन बच्चों की कठिन जिंदगी के बारे में राष्ट्र को और विशेष रूप से पत्रकारिता के नवोदित छात्रों को दोबारा जागरूक करने का समय है। एमिटी यूनिवर्सिट लखनऊ कैंपस को इस प्रयास में सेव द चिल्ड्रेन के साथ हाथ मिलाते हुए बहुत खुशी हो रही है। इस अवसर पर बोलते हुए प्रीति वर्मा ने कहा, 卐सड़क परिस्थितियों में गुजारा करने वाले बच्चों का मुद्दा बहुत बड़ा और महत्वपूर्ण है। इन बच्चों तक पहुँचने और इनके पुनर्वास के कई प्रयास किये गये हैं और सेव द चिल्डेऊ इसे करने में सबसे आगे रहा है। यह प्रदर्शनी सड़क परिस्थितियों में गुजारा करने वाले बच्चों के जीवन और उनके जीवन हमें क्या बदलाव करने की आवश्यकता है, इसकी एक उत्कृष्ट झलक है। उत्तर प्रदेश राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग इस प्रदर्शनी के इन फोटोग्राफ को स्थायी रूप से आयोग में डिस्प्ले करेगा क्योंकि यह उत्तर प्रदेश के बच्चों की जिंदगी और उनमें सुधार करने के लिए क्या करने की आवश्यकता है, इसका सतत यादगार है।卐 ऑनलाइन कार्यक्रम में रुचिता चौधरी, उपायुक्त महिला अपराध इकाई ने कहा, 卐मैं इस पहल के लिए सेव द चिल्डेऊ और एमिटी यूनिवर्सिटी को बधाई देती हूँ, यह बच्चों के अधिकार का बहुत ही सुदृढ़ प्रस्तुतिकरण है। राज्य सरकार और पुलिस का प्रयास ऐसा समाज बनाने का है जिसमें महिलाओं और बच्चों को सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता के लिए संघर्ष न करना पड़े। प्रदर्शनी के माध्यम से सबसे ज्यादा सुविधावंचित बच्चों की जिंदगी की एक झलक जैसी पहल हमें एक अच्छा विचार प्रदान करती है कि किस चीज की कमी है और इसे बदलने के लिए हम कैसे मदद कर सकते हैं।

पीएम मोदी देव दिवाली यात्रा में शिक्षक ड्यूटी पर आपत्ति

लखनऊ। एक्टिविस्ट डॉ नूतन ठाकुर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 30 नवम्बर 2020 को प्रस्तावित वाराणसी की देव दीपावली यात्रा में दीये जलाने हेतु प्राथमिक विद्यालयों के अध्यापकों की ड्यूटी लगाये जाने पर आपत्ति की है। सीएम योगी आदित्यनाथ को भेजे अपने पत्र में नूतन ने कहा कि उन्हें भेजे गए विभिन्न पीडीफ्फाइल तथा व्हाट्सएप मेसेज के अनुसार ये ड्यूटी कोरोना संकट में दबाव बना कर करवाई जा रही है. इस ड्यूटी के संबंध में कोई औपचारिक आदेश जारी नही है और सिर्फ व्हाट्सअप ग्रुप के जरिये ड्यूटी प्रेषित कर जबरदस्ती कार्य करवाया जा रहा है, जिसमे दीप, तेल और बाती भी अध्यापको अपने पास से ले जाना है. जानकारी अनुसार लगभग 3500 टीचरो की 200 दीपक प्रति टीचर साथ लाने के निर्देश के साथ ड्यूटी लगायी गयी है। नूतन ने कहा कि व्हाट्सएप मेसेज के अनुसार ये ड्यूटी बीएसए वाराणसी के मौखिक आदेशों पर लगायी गयी है. उन्होंने कहा कि कोरोना काल में इस प्रकार की औचित्यहीन तथा दिखावटी ड्यूटी लगाया जाना स्पष्टतया अन्यायपरक एवं घातक प्रतीत होती है जिसके भयावह परिणाम होने से इनकार नहीं किया जा सकता है. उन्होंने कहा कि यह ड्यूटी भारत सरकार तथा उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देशों का भी खुला उल्लंघन हैं। अतः उन्होंने इसकी जाँच कराते हुए ड्यूटी निरस्त कराये जाने तथा इस प्रकार के आदेश देने वाले अफसरों के खिलाफ कार्यवाही किये जाने की मांग की है।

प्रशांत सिंह के परिजनों ने जताई बड़े घटनाक्रम की आशंका

बोले परिजन किसी भी घटना क्रम के लिए एमएलसी जिम्मेदार

रायबरेली - ऊंचाहार से गिरफ्तार किए गए प्रशांत सिंह के परिजनों ने बड़े घटनाक्रम की आशंका जाहिर की है। प्रशांत सिंह के पिता रामकरण सिंह पुत्र चंद्रचूड़ सिंह निवासी नेवाजगंज थाना महाराजगंज जनपद रायबरेली ने मीडिया से कहा उनके पुत्र प्रशांत सिंह जिनकी कुछ दिन पहले ऊंचाहार से उस समय गिरफ्तारी हुई जब वह माननीय कोर्ट में सरेंडर करने जा रहे थे। उनके व उनके पुत्र के खिलाफ दर्ज मामले राजनीतिक षड्यंत्र व पुरानी दुश्मनी के चलते दर्ज कराए गए हैं। जनपद के एमएलसी दिनेश प्रताप सिंह व उनका परिवार जिनसे वर्षों पुरानी दुश्मनी चली आ रही है अपनी राजनीतिक पकड़ व पहुंच का दुरुपयोग करते हुए उन्होंने उनके बेगुनाह बेटे को फर्जी मामले में फंसा दिया है। साथ ही पूरे परिवार को भी झूठे मामलों में फंसाने व जान माल का नुकसान पहुंचाने की साजिश रची जा रही है। रामकरण सिंह ने कहा एमएलसी दिनेश प्रताप सिंह व उनके बड़े भाई गणेश सिंह को न्यायालय द्वारा आजीवन कारावास की सजा दी गई जो वापस ले लिया गया था। प्रदेश में योगी आदित्यनाथ जी की सरकार से हम लोग आग्रह करते हैं की आजीवन कारावास प्राप्त मर्सी को खत्म करके पुनः जेल भेजा जाए। गणेश सिंह एक कुख्यात अपराधी है उनके ऊपर दर्जनों हत्या व बलात्कार के मुकदमे दर्ज हैं। रामकरन सिंह ने कहा उनके भाई स्वर्गीय जगदेव सिंह की 2005 में हत्या कर दी गई और अब हम लोगों से कह रहे हैं कि यदि तुम लोग सुलह नहीं हुए तो तुम्हारी भी हत्या कर दी जाएगी। वर्ष 2016 में जब उनका मुकदमा गवाही पर आया तो एमएलसी दिनेश सिंह विधायक राकेश सिंह वा जिला पंचायत अध्यक्ष अवधेश सिंह बृजेश सिंह गणेश सिंह ने कहा था कि तुम लोग कोर्ट में गवाही ना दो नहीं तो तुम्हारा परिवार जिंदा नहीं बचेगा। एमएलसी दिनेश प्रताप सिंह अपने मजदूर जिला पंचायत सदस्य रामप्रकाश पासी जिला पंचायत हरचंदपुर को छिपाकर प्रशांत सिंह को फर्जी फंसाया है। प्रशांत सिंह के पिता रामकरण सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अनुरोध किया कि प्रार्थी की उच्च स्तरीय जांच करवाकर उचित न्याय दिलाया जाए ताकि एमएलसी का परिवार पुन उनके परिवार के साथ अन्याय ना कर सके।

जनपद के खाद्य विभाग व पीसीएफ केन्द्रों पर अब 2 तौल कांटे

रायबरेली. जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने खरीफ विपणन वर्ष 2020-21 में न्यूनतम मूल्य समर्थन योजनान्तर्गत खाद्य विभाग के 11 धान क्रय केन्द्रों तथा क्रय एजेन्सी व पीसीएफ के 13 धान क्रय केन्द्रों पर 01 अतिरिक्त कांटा स्थापित किया गया है। जिसमें केन्द्र रायबरेली मण्डी, हरचन्दपुर, महराजगंज उप मण्डी, डीह, सलोन मण्डी, ऊँचाहार, रायबरेली मण्डी द्वितीय, शिवगढ़, लालगंज मण्डी डलमऊ, छतोह की खाद्य विभाग एजेन्सी में पूर्व में अनुमन्य कांटो के अनुसार तौल कांटो की संख्या 01 थी। अब वर्तमान में अनुमन्य अतिरिक्त काटों के अनुसार तौल कांटो की संख्या 2 कर दी गई है। इसी प्रकार पीसीएफ एजेन्सी के केन्द्र सा0स0स0 चन्दापुर, रसेहता, उत्तरपारा, लोधवामऊ व पीसीएफ महराजगंज, गंगागंज, डलमऊ, गढ़ी, बन्नावा, ऊँचाहार, बन्नामऊ व क्रय विक्रय समिति डिडौली एट रायबरेली मण्डी केन्द्रों पर भी तौल कांटो की संख्या 2 कर दी गई है।

रायबरेली. निगम बस चित्रकूटधाम क्षेत्र बांदा डिपो का वाहन संख्या यू0पी0 90 टी0/5072 से जनता बाजार बाईपास के पास जनपद रायबरेली में विगत 3 अगस्त 2020 को दुर्घटना हुई। जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव द्वारा घटना की मजिस्ट्रीरियल जांच हेतु नामित उपजिला मजिस्ट्रेट लालगंज जीतलाल द्वारा की जा रही है। उक्त घटना के सम्बन्ध में यदि किसी भी व्यक्ति लिखित, अथवा मौखिक कोई साक्ष्य अथवा कोई जानकारी देनी हो तो वह उपजिला मजिस्टेट्ट लालगंज के कार्यालय में 7 दिसम्बर 2020 तक अवकाश दिवस को छोड़कर किसी भी कार्यदिवस में प्रातः 10:00 बजे से सायं 05:00 बजे के मध्य उपस्थित होकर अपना साक्ष्य व जानकारी प्रस्तुत कर सकते है

आरेडिका ने भारतीय रेल का पहला 160 किमी/घंटा की गति से चलने वाला शयनयान स्मार्ट तेजस रेक बनाया

आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना ने अपने उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि कर एक नये चरण में प्रवेश किया है आज का दिन आरेडिका के इतिहास में एक स्वर्णिम दिन की तरह जाना जायेगा। आरेडिका द्वारा विनिर्मित 160 किमी/घंटा की गति से चलने वाले 18 कोच के शयनयान स्मार्ट तेजस रेक को महाप्रबंधक आरेडिका श्री विनय मोहन श्रीवास्तव ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस शयनयान स्मार्ट तेजस रेक में कुल 18 कोच हैं जिसमें 10 एसी थ्री-टियर, 04 एसी टू-टियर, 01 फस्ट एसी, 01 पैन्ट्रीकार एवं 02 पॉवरकार लगाये गये हैं। इस शयनयान स्मार्ट तेजस रेक के कोचों की बाडी को अण्डरफ्रेम सहित पूर्णतया स्टेनलेस स्टील से बनाया गया है तथा इन कोचों में कोरोगेटेड साइडवाल का प्रयोग किया गया है। कोचों में यात्रियों की सुरक्षा के लिए स्वचालित प्लगडोर का प्रयोग किया गया है तथा एयरक्राफ्ट की तरह वैक्यूम इवाक्यूवेशन सिस्टम युक्त लेवोटरी का प्रयोग किया गया है साथ ही फायर स्मोक का पता लगाकर तुरन्त सूचना देने वाला यंत्र भी लगाया गया है।

डीएम ने विकास भवन स्थित कार्यालयों सहित बीएसए कार्यालय का किया औचक निरीक्षण, 93 अधिकारी/कर्मचारी मिले अनुपस्थित

डीएम ने 12 अधिकारियो सहित 81 कर्मचारियों को रोका वेतन,

सीडीओं को स्पष्टीकरण प्राप्त कर आख्या देने के दिये निर्देश

रायबरेली . शासन के निर्देशानुसार जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने प्रातः 10 से 10:30 बजे के मध्य विकास भवन स्थित मुख्य विकास अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, जिला युवा कल्याण अधिकारी, जिला सहायक नि.बंधक सहकारी समिति, वित्त एवं लेखाधिकारी बेसिक शिक्षा, समाज कल्याण अधिकारी, अपर जिला विकास अधिकारी (समाज कल्याण), बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय सहित 16 कार्यालयों को औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कुल 93 में से 12 अधिकारी व 81 कर्मचारी की कार्यालयों में अनुपस्थिति पाये जाने पर जिलाधिकारी ने गम्भीरता से लेते हुए सभी अनुपस्थित अधिकारियो/कर्मचारियों को 1 दिन का वेतन रोकते हुए मुख्य विकास अधिकारी को निर्देश दिये कि सम्बन्धित अनुपस्थित अधिकारियो/कर्मचारियों का स्पष्टीकरण लेकर आख्या उपलब्ध कराये। जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने जिला ग्राम्य विकास अभिकरण कार्यालय के निरीक्षण के दौरान पीडी प्रेम चन्द्र पटेल, लेखाकार जयचन्द्र, रविशंकर बाजपेयी, राम लखन, जुगुल किशोर, तकनीकी अन्वेषक जयपाल सिंह, कनिष्ठ लेखा लिपिक प्रेम चन्द्र शुक्ला, कनिष्ठ लिपिक हंस कुमार आय, वाहन चालक रियाज अहमद, पत्रवाहक सुधा सिंह, कनिष्ठ लिपिक शिवेन्द्र त्रिपाठी, अशोक शुक्ला, शिवशंकर सिंह वाहन चालक व चतुर्थ श्रेणी राम शरण, शिव मोहन सहित मुख्य विकास अधिकारी कार्यालय के आशुलिपिक सुशील कुमार व मनीष सोनी, वरिष्ठ लिपिक जफर अब्बास जैदी, चपरासी विपिन चन्द्र शर्मा अनुपस्थित पाये गये। इसी प्रकार जिला विकास कार्यालय में जिला विकास अधिकारी, लेखाकार बाल कृष्ण यादव, बंश गोपाल चैधरी, प्रेम नाथ श्रीवास्तव, प्रधान सहायक मधु वर्मा, यू0के0 तिवारी, गुफरानुल हक फारूकी, वरिष्ठ सहायक जेबा सलमान, सुमन सिंह, रश्मि श्रीवास्तव, सुनील कुमार गुप्ता, नवनीत श्रीवास्तव, सोमिल श्रीवास्तव, उर्दू अनुवादक/प्रधान सहायक अशरफ जहां, दफ्तरी मो0 शरीफ, पत्रवाहक अहोरे लाल अनुपस्थित, मनरेगा सेल के (डीआरडीए) में डीसी मनरेगा पवन कुमार सिंह, वरिष्ठ सहायक अरविन्द कुमार, प्रधान सहायक सुबूहीजुल करनैन, फरहाना, सीओ मनरेगा अविजित कुमार व सहायक लेखाकार इन्द्रेश कुमार अनुपस्थित पाये गये।

जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) कार्यालय में निरीक्षण पर पीओ डूडा मुनेन्द्र सिंह, सीएमएम नेहा श्रीवास्तव, सीएलटीसी उत्कर्ष शुक्ला, सीओ कुलदीप सिंह, शालिनी मिश्रा व आकांक्षा सिंह अनुपस्थित, जिला कृषि अधिकारी कार्यालय में सहायक लेखाकार कु0 रितु सिंह गौतम, प्रधान सहायक निशात अंजुम व मो0 कसीम, चपरासी सत्य प्रकाश अनुपस्थित, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी कार्यालय में डीएसटीओ अरविन्द कुमार वर्मा, रेखा शुक्ला, अ0स0अ0 शिल्पी तिवारी व गणेश कुमार गुप्ता व जीप चालक राम खेलावन अनुपस्थित पाये गये। सहायक अभियन्ता लघु सिंचाई कार्यालय में सहायक अभियन्ता ब्रजेश कुमार सिंह, अरविन्द कुमार, कनिष्ठ सहायक पवन कुमार, अमीन राम सेवक, चपरासी रविशंकर मिश्रा, सुरेन्द्र बहादुर सिंह व बलबीर सिंह पिछड़ा वर्ग कार्यालय के पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी व

वरिष्ठ सहायक भाष्कर उपाध्याय, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के कनिष्ठ सहायक आशीष सिंह, चपरासी महेश कुमार व ईएमआईएस अनूप कुमार अनुपस्थित पाये गये। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी कार्यालय के वरिष्ठ सहायक राकेश मिश्रा, कनिष्ठ सहायक अनुज कुमार सिंह, संगणक जमीरूलस्लाम, जिला युवा कल्याण अधिकारी कार्यालय के जिला युवा कल्याण अधिकारी व प्रधान लिपिक आशुतोष उपाध्याय अनपुस्थित पाये गये। जिला सहायक निबंधक सहकारी समिति के जिला सहायक निबधंक, स0नि0 वर्ग-2 मनोरमा पाण्डेय व संतोष सिंह यादव, उर्दू अनुवाक जावेद अख्तर, वरिष्ठ सहायक राम बहादुर यादव, सह0कृ0पर्य0 एस0 श्रीवास्तव, कनिष्ठ सहायक कुलसुम अख्तर, सहयोगी सुरेश कुमार, भैरोदीन, का0आ0 धमेन्द्र अनुपस्थित मिले।

खराब गेंदबाजी और स्टार बल्लेबाजों की नाकामी से पहला वनडे हारा भारत

सिडनी। खराब गेंदबाजी, लचर क्षेत्ररक्षण और कप्तान विराट कोहली समेत स्टार बल्लेबाजों के नाकाम रहने के कारण भारत को शुक्रवार को पहले एक दिवसीय क्रिकेट मैच में आस्ट्रेलिया ने 66 रन से हरा दिया। वहीं आस्ट्रेलिया के लिये कप्तान आरोन फिंच और स्टीव स्मिथ के शतकों के बाद एडम जाम्पा और जोश हेजलवुड ने शानदार गेंदबाजी करके भारत पर पूरे मैच में दबाव बनाये रखा। कोरोना महामारी के बीच दर्शकों की स्टेडियम में वापसी वाले इस मैच में आस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सपाट पिच पर छह विकेट पर 374 रन बनाये। जवाब में भारतीय टीम आठ विकेट पर 308 रन ही बना सकी जिसमें हार्दिक पंड्या ने 90 रन का योगदान दिया। आस्ट्रेलियाई कप्तान फिंच ने आईपीएल के अपने खराब फार्म को तिलांजलि देकर 17वां शतक जमाया। वहींस्मिथ ने भारतीय गेंदबाजों को नसीहत देते हुए एक दिवसीय क्रिकेट में दसवां शतक जड़ा। आस्ट्रेलिया के लिये यह तीसरा सबसे तेज वनडे शतक था जो मात्र 62 गेंदों में बना। भारत ने शुरूआत काफी आक्रामक की। रोहित शर्मा की गैर मौजूदगी में पारी का आगाज करने उतरे मयंक अग्रवाल और शिखर धवन ने पांच ओवरों में ही 50 रन बना डाले लेकिन फिर भारत ने शीर्षक्रम के चार विकेट 48 रन के भीतर गंवा दिये। इनमें से तीन हेजलवुड ने और एक जाम्पा ने लिया। अग्रवाल 18 गेंद में 22 रन बनाकर छठे ओवर में हेजलवुड की गेंद पर ग्लेन मैक्सवेल को कैच दे बैठे। भारत को सबसे बड़ा झटका दसवें ओवर में लगा जब कप्तान विराट कोहली ने हेजलवुड की गेंद पर फिंच को कैच थमाया।

विराट ने 21 गेंद में दो चौकों और एक छक्के की मदद से 21 रन बनाये। श्रेयस अय्यर (दो) हेजलवुड का तीसरा शिकार बने जबकि उपकप्तान के एल राहुल आईपीएल का अपना शानदार फार्म बरकरार नहीं रख पाये। उन्हें जाम्पा ने क्रीज पर पैर ही नहीं जमाने दिये और वह 12 रन बनाकर स्मिथ को कैच दे बैठे। इसके बाद धवन और पंड्या ने शतकीय साझेदारी की और एक समय लग रहा था कि ये दोनों भारत को जीत तक ले जायेंगे। ऐसे में जाम्पा ने अपने दूसरे स्पैल में धवन को पवेलियन भेजकर इस उम्मीद को भी तोड़ दिया। धवन ने 86 गेंद में दस चौकों के साथ 74 रन बनाये। पंड्या दुर्भाग्यशाली रहे कि अपना शतक पूरा नहीं कर सके और जाम्पा का तीसरा शिकार बने। उन्होंने 76 गेंद में 90 रन जोड़े जिसमें सात चौके और चार छक्के शामिल थे। इसके बाद जरूरी रनरेट इतना बढ गया था कि रविंद्र जडेजा पुछले ल्लेबाजों के साथ मिलकर फिनिशर की भूमिका नहीं निभा सकते थे। उन्हें भी जाम्पा ने 25 के निजी योग पर आउट करके आस्ट्रेलिया की जीत तय कर दी। जाम्पा ने दस ओवर में 54 रन देकर चार विकेट लिये जबकि हेजलवुड को तीन विकेट मिले। इससे पहले आस्ट्रेलिया के लिये फिंच ने 124 गेंद में 114 रन बनाये जिसमें नौ चौके और दो छक्के शामिल थे। वहीं स्मिथ ने 66 गेंद में 105 रन की पारी खेली और 11 चौके तथा चार छक्के जड़े। 'रन मशीन' डेविड वार्नर ने 69 और 'बिग शो' ग्लेन मैक्सवेल ने 19 गेंद में 45 रन का योगदान दिया। भारतीय गेंदबाजों को पिच से कोई मदद नहीं मिली और क्षेत्ररक्षण भी बेहद खराब रहा। भारतीयों ने तीन कैच छोड़े और काफी रन फालतू दिये। आईपीएल में खतरनाक दिख रहे भारतीय तेज गेंदबाज थके हुए नजर आये। आस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को उनका सामना करने में कोई दिक्कत नहीं हुई। फिंच और वार्नर ने पहले विकेट के लिये 156 रन की साझेदारी की। उन्होंने मोहम्मद शमी और जसप्रीत बुमराह के शुरूआती स्पैल को संभलकर खेला। शमी ने दस ओवर में 59 रन देकर तीन विकेट लिये जबकि बुमराह ने 73 रन दिये और उन्हें एक ही विकेट मिला। नवदीप सैनी ने 83 रन देकर एक विकेट लिया। स्पिनरों में युजवेंद्र चहल ने 89 रन देकर एक विकेट लिया जबकि जडेजा को कोई विकेट नहीं मिला और उन्होंने 63 रन दिये। भारत को पहली सफलता 28वें ओवर में मिली जब शमी ने वार्नर को विकेट के पीछे लपकवाया। इसका फैसला डीआरएस पर हुआ। वहीं जडेजा की गेंद पर पगबाधा आउट दिये जाने के बाद स्मिथ को डीआरएस ने बचाया। उन्होंने इसका पूरा फायदा उठाते हुए शतक जड़ डाला। मैक्सवेल ने सिर्फ 19 गेंद में 45 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। उन्होंने चहल को रिवर्स स्वीप पर छक्का लगाया। इसके बाद सैनी को डीप मिडविकेट पर छक्का जड़ा। इस श्रृंखला के जरिये क्रिकेट मैदान पर दर्शकों की वापसी हुई है। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने कुल क्षमता के 50 प्रतिशत टिकटों की बिक्री की अनुमति दी थी।

आल राउंडर विकल्पों की कमी टीम के संतुलन को प्रभावित कर रही- कोहली

सिडनी। भारतीय कप्तान विराट कोहली ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरूआती वनडे में मिली हार के बाद अपनी टीम के हाव भाव पर सवाल उठाये और कहा कि हार्दिक पंड्या का गेंदबाजी के लिये फिट नहीं होने से टीम का संतुलन प्रभावित हो रहा है क्योंकि उनके पास ज्यादा आल राउंडर मौजूद नहीं हैं। भारत की आस्ट्रेलिया दौरे की शुरूआत निराशाजनक हुई, उसे यहां पहले वनडे में 66 रन से हार का सामना करना पड़ा। कोहली ने मैच के बाद कहा, ''हर किसी को पूरे 50 ओवरों में अपना जज्बा दिखाने की जरूरत होती है। शायद, हम लंबे समय बाद 50 ओवर के क्रिकेट में खेले जिसका असर मैदान में खड़े खिलाड़ियों पर पड़ सकता है लेकिन हमने इतना वनडे क्रिकेट खेला है कि हम इससे निपटना जानते हैं। '' उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि मैदान पर 25 ओवर के बाद खिलाड़ियों के हाव भाव अच्छे नहीं थे। यह निराशाजनक चीज है। अगर आप शीर्ष स्तर की प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाफ मौकों का फायदा नहीं उठाओगे तो वे आपको नुकसान पहुंचा देंगे और आज ऐसा ही हुआ। '' हार्दिक पंड्या गेंदबाजी के लिये अभी फिट नहीं हैं तो कोहली ने कहा कि इससे टीम के संतुलन पर असर पड़ रहा है।

उन्होंने कहा, ''हमें कामचलाऊ गेंदबाजों से कुछ ओवर करवाने के लिये एक तरीका ढूंढना होगा। दुर्भाग्य से हार्दिक जैसा खिलाड़ी अभी गेंदबाजी के लिये तैयार नहीं है, हमें यह स्वीकार करना होगा, हमारे पास इस समय कोई अन्य आल राउंड विकल्प मौजूद नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''इस चीज पर ध्यान देने की जरूरत है, यह किसी भी टीम के संतुलन का अहम हिस्सा है। मार्कस स्टोइनिस, ग्लेन मैक्सवेल आस्ट्रेलिया के लिये कुछ ओवर डाल रहे हैं, जिससे उन्हें मदद मिली।'' कोहली ने कहा कि उनके गेंदबाज नियमित अंतराल पर विकेट नहीं चटका सके जिससे आस्ट्रेलिया को बड़ा स्कोर बनाने में मदद मिली। उन्होंने कहा, ''मैच जीतने में विकेट चटकाना सबसे अहम है, और हम यही नहीं कर सके, साथ ही मैदान पर कुछ गलतियों से भी हमने शुरू में जो दबाव बनाया था, उसका फायदा नहीं उठा सके।'' यह पूछने पर कि क्या संयुक्त अरब अमीरात से आस्ट्रेलिया पहुंचकर पृथकवास में रहने से टीम का प्रदर्शन प्रभावित हुआ तो उन्होंने कहा कि यह कोई बहाना नहीं है। उन्होंने कहा, ''तैयारी के लिये काफी समय मिला। इसके लिये कोई बहाना नहीं बनाया जा सकता।''

भारत के लिये शिखर धवन (74) और हार्दिक (90) शीर्ष स्कोरर रहे। बल्लेबाजी इकाई के बारे में बात करते हुए कोहली ने कहा, ''बल्लेबाजी के लिये हमने अभी थोड़ी बात की। सभी बल्लेबाज खेलने के लिये प्रतिबद्ध थे, मुझे लगता है कि हमने खुद को अच्छा मौका दिया। '' उन्होंने कहा, ''हार्दिक की पारी इसका सबसे अच्छा उदाहरण है। बल्लेबाजी इकाई के तौर पर हम सकारात्मक क्रिकेट खेलने के प्रति प्रतिबद्ध थे और हम भविष्य में भी ऐसा ही करेंगे। '' वहीं आस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान आरोन फिंच ने कहा कि उन्होंने पारी के शुरू में थोड़ा समय लिया।

स्टीव स्मिथ फिर चमके, ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे वनडे में भारत को रौंदकर सीरीज जीती

सिडनी। आस्ट्रेलिया ने स्टीव स्मिथ की 64 गेंद में 104 रन की शतकीय पारी से रनों का पहाड़ खड़ा करके रविवार को यहां दूसरे वनडे में भारत को 51 रन से शिकस्त देकर तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 से अजेय बढ़त हासिल कर ली। आस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए स्मिथ के शतक के अलावा चार अर्धशतकीय पारियों से चार विकेट पर 389 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। आस्ट्रेलियाई 'रन मशीन' स्मिथ का यह भारत के खिलाफ 50 ओवर के प्रारूप में पांचवां शतक है और उन्होंने श्रृंखला के शुरूआती मैच में सैकड़े के बाद लगातार दूसरा शतक जमाया। पहले वनडे में शतक के लिये उन्होंने 66 गेंद का सामना किया था।

भारत के लिये 390 रन का लक्ष्य काफी बड़ा साबित हुआ जो कप्तान विराट कोहली (89) और लोकेश राहुल (76) के अर्धशतकों के बावजूद निर्धारित 50 ओवर में नौ विकेट पर 338 रन ही बना सकी। इस बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम के लिये फार्म में चल रहे शिखर धवन (30) और मंयक अग्रवाल (28) ने शुरूआत बाउंड्री से की। अग्रवाल ने पहले ही ओवर में दो बार गेंद सीमारेखा के पार करायी जबकि धवन ने मिशेल स्टार्क पर लगातार तीन चौके जमाये। अग्रवाल की शानदार कवर ड्राइव से मेहमान टीम ने 6.1 ओवर में 50 रन का स्कोर पार कर लिया था।

हालांकि तेजी से रन जुटाने के प्रयास में धवन विकेट गंवा बैठे। फिर कोहली उतरे और भारतीय कप्तान ने हमेशा की तरह अपनी 87 गेंद की पारी के दौरान कुछ बेहतरीन शॉट लगाते हुए भारत को लक्ष्य का पीछा करने की दौड़ में बनाये रखा। भारत ने 9-10 रन प्रति ओवर के जरूरी रन रेट को बनाये रखने की कोशिश की। लेकिन तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने आस्ट्रेलिया को सबसे बड़ी सफलता दिलायी जब उनकी गेंद पर मोइजेस हेनरिक्स ने मिडविकेट पर डाइव करते हुए कोहली का कैच लपक लिया। इसके बाद हार्दिक पंड्या क्रीज पर उतरे और इस हरफनमौला ने लोकेश राहुल के साथ मिलकर कुछ बड़े शॉट जमाये। लेकिन इतना ही काफी नहीं था। राहुल अपनी 66 गेंद की पारी के दौरान पांच छक्के और चार चौके जमाकर पवेलियन पहुंच गये। इसके बाद भारतीय टीम की उम्मीद टूट गयी। आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने अपने 10 ओवर में 67 रन देकर तीन विकेट हासिल किये। स्मिथ की 104 रन की पारी के अलावा विस्फोटक सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने 77 गेंद में 83 रन बनाये जबकि कप्तान आरोन फिंच ने पहले विकेट के लिये 23 ओवर में 142 रन की साझेदारी के दौरान 60 रन का योगदान दिया। मार्नस लाबुशेन और ग्लेन मैक्सवेल की जोड़ी ने इसी आक्रामकता को बरकरार रखते हुए आस्ट्रेलिया को विशाल स्कोर तक पहुंचाया। लाबुशेन ने 70 और बिग हिटर मैक्सवेल ने 29 गेंद में चार छक्के और इतने ही चौके की मदद से नाबाद 63 रन बनाये। स्मिथ ने अपनी 104 रन की पारी के दौरान 14 चौके और दो छक्के जड़े जबकि वार्नर ने सात बार गेंद सीमारेखा के पार करायी और तीन छक्के जड़े, हालांकि वह श्रेयस अय्यर के डीप से सीधे फेंके गये शानदार थ्रो के कारण अपने शतक से चूक गये। स्मिथ ने अपने पारंपरिक अंदाज में खेलते हुए विकेट के चारों ओर शॉट जमाये और भारतीय गेंदबाजी की धज्जियां उड़ायीं।

उन्हें आउट करने के लिये भारत को हरफनमौला हार्दिक पंड्या की मदद लेनी पड़ी जिन्होंने एक साल पहले हुई पीठ की सर्जरी के बाद पहली बार गेंदबाजी की और वह अपने तीसरे ओवर में इस आस्ट्रेलियाई को लुभाकर आउट करने में भी सफल रहे। उनकी गेंद को खेलने के प्रयास में स्मिथ शार्ट थर्ड मैन पर मोहम्मद शमी को कैच दे बैठे। इससे पहले वार्नर ने पहले ही ओवर में शमी की गेंद को बाउंड्री के लिये भेजकर आस्ट्रेलियाई पारी शुरू करायी। उन्होंने अपने अंदाज से बड़ी पारी खेलने के इरादे जाहिर कर दिये थे। श्रृंखला के शुरूआती मैच में काफी रन लुटाने के बाद शीर्ष तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने मेडन ओवर से शुरूआत की और विकेट से अच्छी रफ्तार हासिल की जिस पर अच्छी खासी घास थी।

लेकिन वह जल्द ही लय खो बैठे और आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने धीमी शुरूआत के बाद तेजी पकड़ना शुरू किया।

क्या सारा अली खान और वरुण धवन की कुली नंबर 1 का ट्रेलर तोड़ेगा सड़क 2 का डिसलाइक्स का रिकॉर्ड

कुछ दिनों से बॉलीवुड फिल्मो का बुरा हाल है। कोई भी फिल्म या ट्रेलर रिलीज होता है तो उसे ऑडियंस के गुस्से का शिकार होना पड़ता है। हर फिल्म और ट्रेलर को आजकल लाइक्स से ज्यादा डिसलाइक्स ही मिल रहे है। ऐसे में अब सारा अली खान और वरुण धवन स्टारर फिल्म कुली नंबर 1 की रिलीज डेट का ऐलान किया जा चूका है। साथ ही ये भी बताया गया है कि 28 नवम्बर को फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया जाएगा। ऐसे में फिल्म के साथ-साथ हीरोइन सारा अली खान ट्विटर पर ट्रेंड हो रही हैं। एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के फैंस और चाहने वाले सारा अली खान को गलत शब्द कहकर ट्रोल कर रहे हैं और उनकी फिल्म को बॉयकॉट करने की बात कर रहे हैं। इतना ही नहीं सारा अली खान के नाम पर ढेरों मीम्स और जोक्स भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। कई यूजर्स इस फिल्म के ट्रेलर को डिसलाइक करने के बारे में बात कर रहे हैं तो कई मजाक उड़ा रहे हैं। तमाम यूजर्स कुली नंबर 1 के ट्रेलर को डिसलाइक करने की तैयारी वैसे कर चुके हैं। यूजर्स का कहना है कि सारा के खिलाफ अभी भी ड्रग्स का केस चल रहा है, उनकी फिल्म कैसे आ सकती है। कुछ का कहना है कि सारा ने सुशांत को धोखा दिया है। वही कई का कहना ये भी है कि वो सारा की फिल्म को आलिया भट्ट की सड़क 2 से ज्यादा बड़ा फ्लॉप होते देखना चाहते हैं।बता दें कि वरुण धवन और सारा अली खान की फिल्म कुली नंबर 1 क्रिसमस 2020 को रिलीज होगी। ये फिल्म 25 दिसम्बर को अमेजन प्राइम वीडियोज पर रिलीज होने वाली है। इस फिल्म का ट्रेलर 28 नवम्बर को आएगा। फैंस को लम्बे समय से इस फिल्म का इंतजार था। लेकिन अब हालात बदल चुके है।

किसानों के प्रदर्शन पर अब सामने आया बॉलीवुड स्टार्स का रिएक्शन, जानिए-किसने क्या कहा

कृषि कानूनों के खिलाफकिसानों ने बीते तीन दिनों से हंगमा मचाया हुआ है साथ ही कानून के विरोध में दिल्ली कूच रहे हैं। इस दौरान हरियाणा और पंजाब से आने वाले किसानों को रोकने के लिए दिल्ली बॉर्डर पर भारी तदाद में पुलिस बल को बुलाया गया है। वहीं पुलिस की ओर से प्रदर्शन कर रहे लोगों पर सर्दी के मौसम में खूब पानी की बौछार करवाई गई,सड़के खोद दी गई,रास्तों पर पत्थर और बैरिकेट्स का इस्तेमाल किया गया। जिसके बाद से पुलिस के इस तरह का रवैये देख खूब आलोचना भी हो रही है। खैर,ऐसे में अब फिल्म जगत से जुड़े सेलेब्स भी किसानों के समर्थन में उतर गए हैं और उन्होंने किसानों पर हो रहे बल प्रयोग पर अपनी बात रखी है। सोशल मीडिया की जनता किसान प्रदर्शन पर अपनी राय रख रहे हैं और अब इनमें बॉलीवुड सितारों का नाम भी शामिल हो गया है। ऐसे में मशहूर सिंगर दिलजीत दोसांझ ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर किसानों जमकर फेंके जा रहे पानी की फोटोज साझा की है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा बाबा भली करे।

वहीं तापसी पन्नू ने ट्विटर पर किसानों को दिल्ली में शामिल होने की इजाजत मिलने की न्यूज को शेयर किया है। साथ ही दिल्ली सरकार ने स्टेडियमों को किसानों के लिए जेल में बदलने से इंकार कर दिया है। इस फैसले पर अभिनेत्री ने अपनी राय रखी और लिखा-चलो अब बिना वक्त गंवाए खाना बॉयकॉट करते हैं, कमॉन ट्विटर आप कर सकते हैं। इन दो स्टार्स के अलावा क्रोरोना काल में लोगों की मदद की वजह से सुर्खियों में रहने वाले सोनू सूद ने भी ट्वीट करके लिखा है- किसान मेरा भगवान। स्वरा भास्कर ने एक वीडियो शेयर करते हुए उसपर रिएक्ट किया है। इस वीडियो में पुलिस किसानों पर वाटर कैनन से पानी की बौछारें कर रही है। स्वरा ने हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर सरकार पर उंगली उठाते हुए लिखा-शर्मनाक! सरकार पर लानत। सोनीपत में 14 डिग्री टेंपरेचर है!!! क्रूर अमानवीय लोग। वहीं उर्मिला मातोंडकर ने पहले लिखा था- अन्नदाता सुखी भव: कनैडियन एक्टर और फिल्म प्रोड्यूसर हरभजन मान ने भी किसान प्रदर्शन का एक वीडियो शेयर किया है।

क्या पत्नी से अलग हुए रैपर बादशाह, खतरे में है शादी

बॉलीवुड सिंगर और रैपर बादशाह आज किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। सिंगर इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफको लेकर खासा चर्चा में बने हुए हैं। खबर है कि बादशाह की शादीशुदा जिंदगी कि कुछ ठीक नहीं चल रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बादशाह और उनकी वाइफ जैसमिन के बीच कुछ वक्त से दूरियां बढ़ गई हैं। दोनों के अलग रहने के सवाल पर सोर्स ने बताया कि लॉकडाउन का वक्त से ही जैस्मिन पंजाब में रुकी हैं। वहीं एक और सोर्स का कहना है कि ये मियां-बीवी के बीच की लड़ाई है और मामला जल्दी सुलट जाएगा। हर किसी की जिंदगी में उतार-चढ़ाव होते हैं। बादशाह से बात करने की कोशिश की लेकिन उनकी तरफसे कोई बयान नहीं मिल सका। वैसे भी बादशाह बेहद प्राइवेट इंसान हैं और अपनी पर्सनल लाइफ डिसकस नहीं करते हैं। आपको बता दें, बादशाह ने इस बारे में अब तक कोई टिप्पणी नहीं की है। खैर रैपर के बारे में ये तो सभी जानते हैं कि वो एक बेहद ही प्राइवेट तरह के व्यक्ति हैं। वो अपने गानों में महज अपने बीते हुए कल के बारे में बात करते हैं। लेकिन वो अपने व्यक्तिगत जीवन के बारे में कभी चर्चा नहीं करते हैं। बादशाह और जैस्मिन के एक बेटी है जिसका नाम ग्रेस मसीह सिंह है। बेटी का जन्म 11 जनवरी 2017 को हुआ था। बादशाह ने म्यूजिक इंडस्ट्री में अपने करियर की शुरुआत कूल इक्कल के नाम से की थी लेकिन कुछ वक्त बाद नाम बदलकर बादशाह कर लिया। 2006 में वह हनी सिंह के साथ आए थे। बादशाह का यूथ्स के बीच जबरदस्त क्रेज है।

शाहीर शेख ने गर्लफ्रेंड रुचिका कपूर से रचाई गुपचुप शादी, अगले साल इस तारीख को करेंगे पूरे रीतिरिवाजों से ब्याह

टीवी के मशहूर अभिनेता शाहीर शेख और रूचिका कपूर अपने रिश्ते को लेकर इन दिनों खूब चर्चा में छाए हुए हैं। वहीं इस महीने की शुरूआत में शाहीर ने रुचिका के साथ अपने रिश्ते को ऑफिशियल किया था। वहीं बीते दिनों शाहीर शेख ने अपनी सगाई की एक फोटो भी साझा की थी। अब खबर है कि यह कपल शादी के बंधन में बंध चुका है। जी हां शाहीर और रुचिका ने कोर्ट मैरिज कर ली है। शाहीर ने अपने होमटाउन जम्मू जाने से पहले कोर्ट में शादी करी जिसके बाद इस कपल ने पूरे परिवार संग इस स्पेशल दिन को सेलिब्रेट किया है। जिसके बाद यह जोड़ी मुंबई के लिए वापस रवाना हो गई। बता दें शादी से पहले अभिनेता ने एक निजी चौनल से बात की थी। इस दौरान शाहीर ने अपनी गर्लप्रेंड और अब पत्नी के बारे में कहा रुचिका अपने इमोशन को लेकर काफी ईमानदार है। हमारे रिश्ते के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि हम पहले अच्छे दोस्त हैं। एक एक्टर होने के नाते मुझे हर वक्त कैमरा के सामने एक्टिंग करना पड़ता है लेकिन आखिरकार मुझे ऐसा साथी मिल गया है जिसके सामने मुझे एक्टिंग नहीं करनी पड़ेगी। जैसा मैं हूं उसके सामने भी वैसा ही हूं। मैंने हमेशा कहा है कि मैं एक खानाबदोश हूं लेकिन आखिरकार मुझे सही साथी मिल गया है, जिसके साथ मैं अपनी जिंदगी के खूबसूरत सफर की शुरुआत कर सकता हूं। वहीं रुचिका ने भी अपने पति शाहीर के लिए कुछ दिल छू देने वाली ही बता कही है। रुचिका ने कहा हम अलग बैकग्राउंड से आते हैं,लेकिन हमने अपने लेकिन हमने अपने मतभेदों पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, उन्हें मनाने के लिए चुना। हम दुनिया के लिए बहुत ज्यादा कुछ मतलब नहीं रखते, लेकिन हम एक-दूसरे के लिए बहुत मायने रखते हैं। बताते चलें शाहीर जहां एक्टिंग प्रोफेशन में हैं तो वहीं रुचिका मशहूर डायरेक्टर एकता कपूर की बालाजी मोशन पिक्चर्स की क्रिएटिव प्रोड्यूसर और एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट हैं। यह जोड़ी एक दूसरे को काफी लंबे वक्त से डेट कर रहे थे। लेकिन आखिरकार शाहीर और रुचिका ने अपने रिश्ते को नया नाम दे दिया है। हाल ही में कोर्ट मैरिज करने के बाद ये कपल जून 2021 में अपने-अपने शाहीर शेख ने गर्लप्रेंड रुचिका कपूर से रचाई गुपचुप शादी, अगले साल इस तारीख को करेंगे पूरे रीतिरिवाजों से से शादी कर लेगा।

सोनू सूद को गले लगाने साइकिल से बिहार से मुंबई आ रहा था फैन, एक्टर ने बुक करा दिया फ्लाइट टिकट

कोरोना संक्रमण और लॉकडाउन के दौर में वैसे तो कई लोगों ने कइयों की मदद की, लेकिन सोनू सूद मजबूरों और मजदूरों के मसीहा बनकर उभरे। लाखों लोगों की उन्होंने मदद की और आज भी कर रहे हैं। यही कारण है कि असल जिंदगी के इस हीरो से मिलने उनका एक फैन बिहार से मुंबई साइकिल से ही चल पड़ा। सोनू सूद से मिलने के लिए उनका फैन बिहार से मुंबई साइकिल के लिए निकल गया था। जब सोनू को यह बात पता चली तो उन्होंने अरमान से संपर्क साधा और उन्हें फ्लाइट के जरिए मुंबई बुलवा लिया। सोनू ने अरमान के साथ उसकी साइकिल को भी मुंबई मंगवा लिया है। सोनू सूद ने ट्वीट किया- बिहारी बाबू आप हमारे मेहमान रहेंगे। साइकल से क्यों फ्लाइट से बुलाते हैं आपको। वापिस अपनी साइकल के साथ फ्लाइट में जाएंगे। सोनू सूद ने अरमान का एयरपोर्ट पर वीआईपी स्वागत किया। उसके बाद उन्हें बड़े होटल ले जाया गया। सोनू ने अपने फैन के लिए खास इंतजाम किए गए थे।

एन0 आलम
सह संपादक
अंदाज ए लखनऊ
Mo : 9889966668
हसीब इदरीसी
विशेष संवाददाता
अंदाज ए लखनऊ
Mo : 9415249966
जगदीश कुमार गौतम
संवाददाता
अंदाज ए लखनऊ
Mo : 7985695040

अंदाज-ए-लखनऊ
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अली हसन द्वारा उमाकान्ती आफसेट प्रिन्टर्स लखनऊ से मुद्रित एवं 67/63 लालकुआं लखनऊ प्रकाशित।
सम्पादक : अली हसन
मो नं.-8604223368
RNI No.
UPHIN/2010/33668
Email Id.
andazelucknow@gmail.com
प्रबंध संपादक
फ़ैजान सिद्दीकी
उप सम्पादक
मनीष कुमार सच्चिदानंद
ब्यूरो चीफ : राहुल शुक्ला
छायाकार : सदफ हसन (शानू)
समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायलय के अधीन होगा।